सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" संघर्ष प्रगति का आमंत्रण है जो इसे स्वीकारता है उसका जीवन निखर जाता है। "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–95 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 25 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

भ्रष्टाचार की सड़क–40 लाख की सड़क 40 दिन भी नहीं चली, कार्रवाई से बचने कर दी लीपापोती

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

ग्राम पंचायत नंदकट्ठटी में 40 लाख रुपए की लागत से सड़क बनाई गई जो ठीक से 40 दिन भी नहीं चली। सड़क बनने के कुछ दिनों बाद ही उखड़ने लगी। देखते ही देखते माह भर में सड़क की हालत बहुत खराब हो गई। सड़क पर गिट्टी बिछरे रहते और जब भी कोई गाड़ी चलती तो धूल उड़ता। इससे नाराज जनता में जब आक्रोश बढ़ने लगा तो ग्राम पंचायत ने अपनी इस गड़बड़ी

को छिपाने के लिए सड़क पर लीपापोती कर दी है। यह पूरा मामला ग्राम पंचायत नंदकठट्ठी का है। करीब 3 माह पहले ही ग्राम पंचायत की पहल पर गांव की प्रमुख सड़क को सीमेंटीकरण करके नया रोड बनाया गया। इस रोड को बनाने के लिए 40 लाख रुपए की बजट ग्राम पंचायत को दी गई थी। ग्राम पंचायत ने 40 लाख रुपए खर्च करके अपने गांव की प्रमुख सड़क को बना लिया। लेकिन इस निर्माण काम में गुणवत्ता से खिलवाड़ किया गया। सही तरीके से सड़क नहीं बनाने की वजह से सड़क कुछ दिनों बाद ही उखड़ने लगी। इस लापरवाही का नतीजा यह हुआ कि जैसे ही कोई भारी वाहन चलता, रोड़ से गिट्टी रेती उखड़ने लगता। देखते ही देखते करीब दो माह में सड़क का बूरा हाल हो गया। नई सड़क पुरानी सड़क की तरह दिखने लगी।

मामला का ग्रामीणों ने विरोध शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने ग्राम पंचायत में की गई लापरवाही की शिकायत जनपद व जिला पंचायत में कर दी। इसकी सूचना मिलने के बाद कार्रवाई के भय से ग्राम पंचायत के सरपंच ने सड़क पर सीमेंट की घोल चढ़ा दी।

मामले को लेकर ग्राम पंचायत सरपंच

सड़क की गिट्टी उखड़ने से रोड़ की हालत खराब हो गई। लोगों ने ग्राम पंचायत के सरपंच, उपसरपंच और पंचों को कोसनाशु लगे। सड़क की जर्जर हालत से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ने लगी। तब ग्राम पंचायत सरपंच ने अपनी गड़बड़ी को छिपाने के लिए सड़क पर लीपापोती कर दिया। अब मामले की शिकायत जनपद तक पहुंच गई है और अब मामले की जांच की जाएगी।

केजरीवाल के सबसे वफादार सांसदों का विद्रोह, चड्ढा पाठक और मित्तल ने एएपी छोड़ी, बीजेपी में विलय का दावा

नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (Aam Aadmi Party) के लिए यह अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। पार्टी के सबसे भरोसेमंद और रणनीतिक चेहरों में शामिल राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने एक साथ इस्तीफा देकर सियासी हलचल तेज कर दी है।

तीनों नेताओं का यह कदम सीधे तौर पर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर सवाल खड़ा करता है, क्योंकि ये वही चेहरे थे जिन्हें पार्टी का सबसे वफादार और थिंक टैंक माना जाता था।

चड्ढा ने साफ कहा कि पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक चुकी है और अब निजी हितों की राजनीति हो रही है। वहीं संदीप पाठक ने भी 10 साल का साथ छोड़ते हुए कहा कि उन्होंने निस्वार्थ भाव से देश के लिए काम किया, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं।

राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक या बड़ा जोखिम?

तीनों राज्यसभा सांसदों ने दावा किया है कि वे दो-तिहाई संख्या के आधार पर भारतीय जनता पार्टी में विलय कर रहे हैं, जिससे दल-बदल कानून की चुनौती से बचा जा सके। राघव चड्ढा के साथ स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह सहित 7 सांसद भाजपा में शामिल होंगे. शुक्रवार (24 अप्रैल) को आम आदमी पार्टी को बहुत बड़ा झटका देते हुए राघव चड्ढा ने इसका ऐलान किया. राघव चड्ढा के साथ स्वाति मालीवाल, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, विक्रम साहनी, राजिंदर गुप्ता और हरभजन सिंह बीजेपी में शामिल होंगे. ये सभी राज्यसभा में आप के सांसद हैं. आप के पास राज्यसभा में कुल 10 सांसद हैं. यानी अब आप के दो तिहाई राज्यसभा सांसद बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं।

सेल में जूनियर मैनेजर परीक्षा का सर्कुलर जारी, 27 अप्रैल से आवेदन शुरू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने जूनियर मैनेजर पद के लिए आंतरिक भर्ती प्रक्रिया का सर्कुलर जारी कर दिया है। 24 अप्रैल 2026 को जारी निर्देशों के अनुसार यह प्रक्रिया रअकछ की सभी यूनिट्स और प्लांट्स में लागू होगी। सर्कुलर के मुताबिक पात्र कमर्चारी 30 जून 2026 से प्रभावी पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी, जिसकी शुरुआत 27 अप्रैल से होगी और अंतिम तिथि 6 मई 2026 निर्धारित की गई है।

पात्रता की प्रमुख शर्तें

जूनियर मैनेजर पद के लिए आवेदन करने वाले कमर्चारियों को ₹6 या उससे ऊपर के ग्रेड में निर्धारित सेवा अवधि पूरी करना अनिवार्य होगा। साथ ही उम्मीदवार के पास कम से कम 10 वर्ष की निरंतर सेवा होनी चाहिए और सेवा अवधि में न्यूनतम 2 वर्ष शेष होना जरूरी है। तकनीकी और नॉन-टेक्निकल दोनों वर्गों के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता निर्धारित की गई है। इसके अलावा पिछले तीन वर्षों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि में न्यूनतम ह्यइड्ढ रेटिंग अनिवार्य रखी गई है। किसी भी प्रकार की अनुशासनात्मक कारवाई या विजिलेंस जांच लंबित होने पर आवेदन अमान्य माना जाएगा।

आवेदन और परीक्षा प्रक्रिया

उम्मीदवारों को केवल ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद उसका प्रिंट निकालकर तीन दिनों के भीतर संबंधित एचआर विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा। लिखित परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी, जिसकी अवधि दो घंटे निर्धारित की गई है। परीक्षा की तिथि अलग से घोषित की जाएगी। एडमिट कार्ड भी ऑनलाइन जारी किए जाएंगे।

कर्मचारियों में उत्साह

सर्कुलर जारी होने के बाद कमर्चारियों में उत्साह देखा जा रहा है। लंबे समय से प्रमोशन की प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारियों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सेल प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। आवेदन से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए संबंधित एचआर विभाग से संपर्क किया जा सकता है।

त्वरित टिप्पणी — **आलोक तिवारी**

विचारधारा का क्षरण या राजनीति का रूपांतरण? भारतीय सियासत पर बड़ा सवाल

भारतीय राजनीति में विचारधारा के क्षरण को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। विश्लेषकों का मानना है कि सत्ता केंद्रित राजनीति के इस दौर में वैचारिक प्रतिबद्धता धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है और दलों के बीच अंतर कम होता दिख रहा है।

राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो 1970 के दशक का दौर वैचारिक आंदोलनों का चरम माना जाता है। जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चला आंदोलन पूरे देश में फैला और आपातकाल के बाद सत्ता परिवर्तन का आधार बना। समाजवादी धारा के उभार ने इंदिरा गांधी की सरकार को सत्ता से बाहर किया और जनता पार्टी की सरकार बनी। हालांकि वैचारिक मतभेदों के कारण यह प्रयोग लंबे समय तक नहीं चल सका और राजनीतिक अस्थिरता के बाद इंदिरा गांधी की वापसी हुई। इसके बाद 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ, जिसकी वैचारिक पृष्ठभूमि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी रही। राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पहचान के मुद्दों के साथ भाजपा ने धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत की। 1990 के दशक में मंडल और कमंडल की राजनीति ने भारतीय सियासत को नई दिशा दी। इस दौरान राजीव गांधी के निधन और संगठनात्मक कमजोरियों के कारण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभाव कई राज्यों में घटा, जिसका लाभ क्षेत्रीय दलों ने उठाया। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में क्षेत्रीय शक्तियों का उदय हुआ, जिन्होंने केंद्र की राजनीति में भी निर्णायक भूमिका निभाई। समय के साथ भाजपा ने जहां राज्यों में संगठन विस्तार और गठबंधन दोनों रणनीतियों पर काम किया, वहीं कांग्रेस पर क्षेत्रीय दलों पर अधिक निर्भर रहने के आरोप लगते रहे। अटल-आडवाणी युग के बाद पार्टी में नेतृत्व का नया दौर आया, जिसमें संगठन और चुनावी रणनीति को अधिक केंद्रीकृत तरीके से आगे बढ़ाया गया। 2011 के इंडिया अगेंस्ट करप्शन मूवमेंट ने राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत की। अन्ना हजारे के आंदोलन से निकले नेताओं—अरविंद केजरीवाल मनीष सिसोदिया, प्रशांत भूषण, शशि भूषण, योगेन्द्र यादव ,किरण बेदी कुमार विश्वास और आशुतोष —ने वैकल्पिक राजनीति का दावा किया और आम आदमी पार्टी का गठन हुआ। दिल्ली और पंजाब में सत्ता हासिल करने के बावजूद पार्टी पर समय-समय पर उठे विवादों और भ्रष्टाचार के आरोपों ने उसकी साख को प्रभावित किया। हालिया चुनावी नतीजों और आंतरिक चुनौतियों ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या वैकल्पिक राजनीति अपने मूल आदर्शों को बनाए रख पाई है। विश्लेषकों का कहना है कि वर्तमान दौर में राजनीति का फोकस वैचारिक बहस से हटकर चुनावी गणित, गठजोड़ और सत्ता प्रबंधन पर अधिक केंद्रित हो गया है। क्षेत्रवाद, जातीय समीकरण और तात्कालिक मुद्दे चुनावी विमर्श पर हावी है, जबकि राष्ट्रीय स्तर के दीर्घकालिक मुद्दों पर व्यापक सहमति कम दिखाई देती है। कांग्रेस अपने संगठन को पुनर्जीवित करने की चुनौती से जूझ रही है, वहीं भाजपा देशभर में अपना विस्तार जारी रखने की रणनीति पर आगे बढ़ रही है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या भारतीय राजनीति फिर कभी वैचारिक आंदोलनों के उस दौर में लौटेगी, या फिर सत्ता केंद्रित यह प्रवृत्ति ही आने वाले समय की नई पहचान बनेगी।

केजरीवाल मॉडल पर उठते सवाल: आदर्शवाद से विवादों तक की सियासी यात्रा : *देश की राजनीति में कभी बदलाव की उम्मीद के साथ उभरी आमआदमी पार्टी और उसके तथाकथित ह्रकेजरीवाल मॉडलह्व पर अब सवालों की आवाजें तेज होती जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों और पूर्व सहयोगियों के बयानों में यह मुद्दा लगातार उभर रहा है कि जिस आदर्शवाद और पारदर्शिता के दावे के साथ पार्टी ने शुरुआत की थी, वह समय के साथ विवादों में घिरता गया। पार्टी के शुरुआती दौर में नए चेहरों ने बदलाव की राजनीति का चेहरा पेश किया। हालांकि, बाद के वर्षों में इन नेताओं के अलग-अलग रुख और पार्टी से दूरी ने अंदरूनी मतभेदों की ओर भी इशारा किया। राजनीतिक विरोध के दौरान कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले भी उस दौर की पहचान रहे।*

सोनिया गांधी, शीला दीक्षित, मनमोहन सिंह और राहुल गांधी तक कई नेताओं पर सीधे आरोप लगाए गए, जिसने राजनीतिक विमर्श को आक्रामक दिशा दी। वहीं, पार्टी के भीतर से भी समय-समय पर गंभीर आरोप सामने आए। प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे संस्थापक सदस्यों ने पार्टी छोड़ते समय संगठन की कार्यप्रणाली और निर्णयों पर सवाल उठाए थे। राज्यसभा टिकटों को लेकर कारोबारी और ऐशोवर पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता देने के फैसलों पर भी बहस छिड़ी थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि किसी भी दल की दीर्घकालिक सफलता उसके आंतरिक लोकतंत्र और कार्यकर्ताओं की भागीदारी पर निर्भर करती है। जब संगठन में अवसर सीमित होते है या नेतृत्व पर केंद्रीकरण के आरोप लगते है, तो इसका असर उसकी साख और विस्तार दोनों पर पड़ता है। इसी संदर्भ में कुछ विश्लेषक बहुजन समाज पार्टी जैसे दलों के उदाहरण देते है, जहां संगठनात्मक चुनौतियों के कारण जनाधार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। हालांकि, आम आदमी पार्टी अब भी कई राज्यों में सक्रिय है और शासन के अपने मॉडल को लेकर दावे करती रही है। ऐसे में ह्रकेजरीवाल मॉडलह्व पर बहस आने वाले समय में भी राजनीतिक चर्चा का अहम हिस्सा बनी रहने की संभावना है।

भिलाई में नशे का बड़ा नेटवर्क ध्वस्त : फर्जी ड्रग लाइसेंस से कोडीन सिरप की तस्करी

पुलिस की बड़ी कार्रवाई 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

भिलाई में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले संगठित गिरोह का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। दवा कंपनी के प्रतिनिधि की आड़ लेकर प्रतिबंधित कोडीन युक्त सिरप की तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 800 नग नशीली सिरप, वाहन, मोबाइल और नकदी सहित करीब 5 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है।

चौकी स्मृतिनगर और एसीसीयू की संयुक्त टीम को 23 अप्रैल को सूचना मिली थी कि जुनवानी-खम्हरिया रोड पर कुछ लोग नशीली सिरप की खेप लेकर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक सेंट्रो कार को रोका और तलाशी ली। वाहन से सात कार्टून में भरी प्रतिबंधित कोडीन

युक्त सिरप बरामद हुई।

पूछताछ में मुख्य आरोपी योगेश शर्मा और उमेश कुमार यादव ने खुलासा किया कि वे फर्जी ड्रग लाइसेंस बनाकर गुजरात की कंपनी से ई-कुरियर और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए सिरप मंगवाते थे। जांच में सामने आया कि असली लाइसेंस में एडिटिंग कर फर्जी दस्तावेज तैयार किए गए थे और उसी आधार पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं मंगाई जा रही थीं।

इस नेटवर्क में जुड़े अन्य आरोपी महावीर जैन उर्फ रोहित और सतीश मेश्राम को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी नशीली सिरप को ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध कमाई कर रहे थे और स्थानीय युवाओं को इसकी लत लगा रहे थे। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8(ख), 22, 27(क) और 29 के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जब्त सामग्री में 800 बोतल कोडीन सिरप के अलावा सेंट्रो कार, एक्टिवा, चार मोबाइल फोन और नगद रकम शामिल है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई केवल एक खेप तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे सप्लाई नेटवर्क की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में अंतरराज्यीय कनेक्शन के संकेत मिले हैं, जिससे आने वाले दिनों में और गिरफ्तारी की संभावना जताई जा रही है। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना तुरंत दें, ताकि ऐसे नेटवर्क पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

जिले में हवाई हमले की आशंका को लेकर मॉक ड्रिल, एसडीआरएफ और वालेंटियर्स ने संभाली कमान

केंद्रीय जेल में किया गया आपदा प्रबंधन का मॉक ड्रिल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों के उद्देश्य से हवाई हमले की स्थिति से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, एनसीसी एवं होमगार्ड जवानों को सिविल डिफेंस, एयर रेडियो/ब्लैकआउट एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन आज डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट दुर्ग कैंपस केन्द्रीय विद्यालय के पास (केन्द्रीय जेल) में किया गया। हवाई हमलों जैसी आपात स्थितियों में नागरिक सुरक्षा और राहत कार्यों की रणनीतिक तैयारी को परखना था, जिसमें जवानों को अंधेरे में प्रभावी संचार व्यवस्था बनाए रखने, एयर रेड सायरन बजने पर त्वरित प्रतिक्रिया देने, सुरक्षित आश्रय स्थलों का प्रबंधन करने और आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान करने का विस्तृत व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने

ब्लैक आउट की प्रक्रिया को विस्तार से समझाते हुए बताया

कि किस प्रकार न्यूनतम रोशनी में भी अनुशासन और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखा जा सकता है। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजाकर आपात स्थिति का संकेत दिया गया, जिसके बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। एसडीआरएफ के जवानों ने प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर घायलों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, प्राथमिक उपचार देने तथा सुरक्षित निकासी की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस दौरान वालेंटियर्स ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, भीड़ नियंत्रण करने और आपातकालीन निर्देशों का पालन कराने में सहयोग किया।

खास खबर

विश्व मलेरिया दिवस" पर जन जागरूकता रैली का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत शनिवार को "विश्व मलेरिया दिवस" के अवसर पर शासन की मंशानुरूप एवं आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के निर्देशों के परिपालन में शहर को मलेरिया मुक्त बनाने हेतु वृहद जागरूकता अभियान चलाया गया। निगम के जोन-1 (नेहरू नगर) के अंतर्गत वार्ड-5 कोसानगर (राधाकृष्ण मंदिर के पीछे की बस्ती) तथा जोन-3 (मदर टेरेसा नगर) के अंतर्गत वार्ड-33 संतोषी पारा (हुडको क्वार्टर) में जन जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से आम नागरिकों को मलेरिया रोधी नारों के जरिए बीमारी से बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित जनों ने भिलाई शहर में स्वच्छता अपनाते हुए 'मलेरिया मुक्त शहर' बनाने का दृढ़ संकल्प लिया गया। अभियान का मुख्य संदेश "हर बुखार की जांच – मलेरिया की पहचान" रहा। स्वास्थ्य दल द्वारा नागरिकों को समझाया गया कि घरों के आसपास जल जमाव न होने दें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रुके हुए पानी का उचित निपटान करें। स्वच्छता ही मलेरिया से बचाव का सबसे कारगर हथियार है। इस संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के. सिंह एवं उनके विशेष दस्ते का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव एवं उमेश कपूर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जोन-1 एवं जोन-3 के सुपरवाइजर क्रीस्टोपर, पप्पू यादव, टिकेश्वर साहू, एम. रवि, हीरापाल तथा क्रांति शहरी महिला क्षेत्रीय स्तरीय समूह से सीमा जोशी एवं मधु जोशी ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा माफियाओं पर नकेल या सिर्फ कागजी फरमान, छग में नए आदेश के बाद अभिभावकों की निगाहें जिला प्रशासन पर

अभिभावकों की जेब पर डाके के खिलाफ राज्य सरकार सख्त

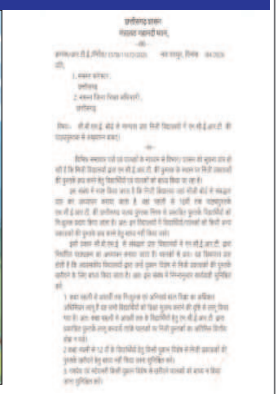

नरेंद्र डाकलिया / रायपुर

छत्तीसगढ़ में निजी स्कूलों की मनमानी और शिक्षा के नाम पर अभिभावकों की जेब काटने के खेल को रोकने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। मुख्य सचिव विकास शील द्वारा जारी ताजा आदेश ने प्रदेश भर के निजी शिक्षण संस्थानों में हड़कंप मचा दिया है। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह आदेश धरातल पर उतरेगा या फिर शिक्षा माफियाओं की मिलीभगत के आगे दम तोड़ देगा?

क्या है सरकार का सख्त आदेश?

छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी इस पत्र में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि अब निजी स्कूल मनमाने तरीके से अभिभावकों पर आर्थिक बोझ नहीं डाल पाएंगे।

आदेश के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं:

कक्षा 1 से 8 तक: इन कक्षाओं के निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदने के लिए विद्यार्थियों और अभिभावकों को बाध्य नहीं किया जाएगा। स्कूलों को ठएएफ्ळ/रउएफ्ळ द्वारा निर्धारित किताबें ही लागू करनी होंगी ताकि आर्थिक बोझ न पड़े।

कक्षा 9 से 12 तक: इन कक्षाओं के छात्रों को किसी विशेष दुकान से किताबें खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। ड्रेस और स्टेशनरी: स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे बच्चों या उनके माता-पिता को स्कूल की ड्रेस, कॉपी या अन्य स्टेशनरी सामग्री किसी 'विशेष दुकान' से खरीदने के लिए मजबूर नहीं करेंगे।

धरातल पर चुनौतीः क्या प्रशासन उठाएगा जिम्मेदारी? सरकार के इस आदेश को अभिभावकों के हित में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। सालों से चल रही 'बुक सिंडिकेट' और स्कूलों की मनमानी से परेशान अभिभावक अब राहत की सांस लेने की उम्मीद कर रहे हैं।

लेकिन, सवाल बड़ा हैः

क्या छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) इस आदेश को प्रभावी ढंग से लागू कर पाएंगे? पूर्व में भी कई ऐसे आदेश आए हैं, जो फाइलों में तो बहुत मजबूत थे, लेकिन जमीनी हकीकत में शिक्षा माफियाओं के जाल में खो गए।

अब जिला प्रशासन की परीक्षा

प्रदेश के करोड़ों अभिभावकों की नजरें अब जिला कलेक्टरों पर टिकी हैं। क्या जिला प्रशासन इन आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करेगा, या फिर स्कूल प्रबंधन प्रशासन की आंखों में धूल झोंकने में कामयाब हो जाएंगे? यह आदेश न केवल एक प्रशासनिक निर्देश है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की एक बड़ी चुनौती भी है। अगर वाकई इस आदेश का पालन होता है, तो यह प्रदेश में शिक्षा के नाम पर चल रही 'लूट' पर एक बड़ा प्रहार होगा। अन्यथा, यह केवल एक और कागजी फरमान बनकर रह जाएगा। अभिभावकों की मांगः समय आ गया है कि जिला प्रशासन अपनी कार्यकुशलता दिखाए और अवैध वसूली करने वाले स्कूलों पर कड़ी कार्रवाई करे।

प्रदेश में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, आपूर्ति पूरी तरह सामान्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने कहा है कि प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने के साथ ही आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है। किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। गौरतलब है कि पश्चिम एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर राज्य सरकार लगातार भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संपर्क में है, ताकि प्रदेश की ईंधन आवश्यकताओं की निर्बाध पूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। आपूर्ति की साप्ताहिक समीक्षा नियमित रूप से की जा रही है, जिससे आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रदेश में संचालित 2516 पेट्रोल पंपों तथा तीनों प्रमुख ऑयल कंपनियों के डिपो में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल एवं डीजल उपलब्ध है। मार्च 2026 में प्रदेश की मासिक पेट्रोल आवश्यकता 1.01 लाख किलोलीटर के विरुद्ध 1.27 लाख किलोलीटर (126 प्रतिशत) की आपूर्ति की गई। वहीं अप्रैल 2026 में 23 अप्रैल तक 1.60 लाख किलोलीटर पेट्रोल प्राप्त हो चुका है। इसी प्रकार मार्च में डीजल की आवश्यकता 1.64 लाख किलोलीटर के मुकाबले 3.00 लाख किलोलीटर (183 प्रतिशत) आपूर्ति हुई, जबकि अप्रैल 2026 में 23 अप्रैल तक 1.38 लाख किलोलीटर डीजल की आपूर्ति हो चुकी है। स्पष्ट है कि प्रदेश में मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए सभी जिलों में आकस्मिक निरीक्षण एवं छापेमारी की कार्रवाई जारी है। राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। आम नागरिकों की शिकायतों के निवारण के लिए विभागीय कॉल सेंटर (1800-233-3663) भी सक्रिय रूप से कार्यरत है।

23 अप्रैल 2026 को खाद्य विभाग के संचालक की अध्यक्षता में तीनों ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में यह सामने आया कि कुछ औद्योगिक उपभोक्ता रिटेल आउटलेट से डीजल खरीद रहे हैं, जिससे अस्थायी दबाव की स्थिति बनती है। इस पर कंपनियों को निर्देशित किया गया है कि वे मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करें। वर्तमान स्थिति के अनुसार, प्रदेश में लगभग 77,111 किलोलीटर पेट्रोल उपलब्ध है, जो लगभग 22 दिनों की आवश्यकता के बराबर है। इसी प्रकार 84,295 किलोलीटर डीजल उपलब्ध है, जो करीब 15 दिनों की खपत के लिए पर्याप्त है। सरकार ने पुनः आश्वस्त किया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है तथा आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

एक महिला ने घर में घुसकर मां-बेटे की कर दी हत्या

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग जिले के रळब्झ्कॉलोनी में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक महिला ने घर में घुसकर मां-बेटे की हत्या कर दी, जबकि दो मासूम बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गई। इस डबल मर्डर से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 8 बजे की है। मृतिका की पहचान रीना यादव के रूप में हुई है। उनके पति ललितेश यादव, जो रळब्झ्में आरक्षक हैं, घटना के समय रेलवे स्टेशन रिजर्वेशन कराने गए हुए थे। इसी दौरान आरोपी महिला सरोजनी भारद्वाज (25 वर्ष) घर में घुस गई और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में रीना यादव और उनके 9 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घर में मौजूद दो अन्य बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हमले के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। इस हृदयविदारक घटना के बाद रळब्झ् कॉलोनी समेत पूरे दुर्ग शहर में दहशत और शोक का माहौल है।

आहार्यम में जीवंत होगा कथक का बदलता दौर, कला मंदिर में नृत्यनाटिका का मंचन कल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली कथक के बदलते स्वरूप पर एक शानदार नृत्य नाटिका आहार्यम का मंचन रविवार 26 अप्रैल को रात 8 बजे से महात्मा गांधी कला मंदिर सिविक सेंटर में होने जा रहा है। आयोजक कृष्ण प्रिया कथक केंद्र की संचालिका उपासना तिवारी ने बताया कि इस नृत्य नाटिका में दशकों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है।

उन्होंने बताया कि सभी भारतीय शास्त्रीय नृत्यों में आहार्यमअभिनय का एक प्रमुख अंग है, जिसका अर्थ सजावट या वेशभूषा से है। यह नर्तक के शारीरिक रूप, वेशभूषा, श्रृंगार और आभूषणों के उपयोग से मंच पर चरित्र को जीवंत करने की कला है। उन्होंने बताया कि आहार्यम के माध्यम से उनके केंद्र के कलाकार कथक नृत्य विधा की ऐतिहासिक यात्रा को मंच पर प्रस्तुत करेंगे। जिसमें मंदिर काल से आज के आधुनिक काल तक कथक में समय-समय पर आए बदलाव को दर्शाया जाएगा। इस दौरान शहर के कई प्रमुख लोग अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे।

भीषण गर्मी में बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

रायपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए त्वरित एवं संवेदनशील निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार 30 जून 2026 तक प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक संचालित किए जाएंगे। इस अवधि में बच्चों की उपस्थिति केवल सुबह 7 बजे से 9 बजे तक निर्धारित की गई है, ताकि उन्हें अत्यधिक तापमान एवं लू के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में बच्चों की प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख, शाला पूर्व अनौपचारिक शिक्षा (एउअए) गतिविधियाँ निर्धारित समय-सारिणी एवं कलेण्डर के अनुसार संचालित होंगी तथा पूरक पोषण आहार का वितरण नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे बच्चों के पोषण एवं शिक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए। निर्देशानुसार आंगनबाड़ी केंद्र प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होंगे, जिसमें बच्चों की उपस्थिति 7 से 9 बजे तक रहेगी, जबकि अन्य सेवाओं के लिए केंद्र 11 बजे तक संचालित रहेगा। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं अपने जॉब चार्ट के अनुसार शेष कार्यों का निष्पादन करेंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए हैं कि गृहभेंट के माध्यम से पोषण परामर्श सेवा को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्र बंद होने के पश्चात निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार घर-घर जाकर माताओं को जागरूक करेंगी। बच्चों की सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि गर्म हवाओं, अधिक तापमान एवं लू की स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रूप से घर तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही की स्थिति में संबंधितों की जवाबदेही तय की जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे इन व्यवस्थाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करें तथा जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों में नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करें, ताकि जमीनी स्तर पर निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल समाप्ति उपरांत 01 जुलाई 2026 से आंगनबाड़ी केंद्र पुनः अपने सामान्य समय प्रातः 9:30 बजे से 3:30 बजे तक (6 घंटे) संचालित किए जाएंगे।

अध्यक्ष व सचिव पद के लिए होंगे चुनाव, सरगर्मी तेज

भिलाई। सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति (साई मंदिर), सिविल लाइन कसारीडीह दुर्ग (छ.ग.) के आगामी 4 वर्षीय कार्यकाल (सत्र 2026-30) के लिए चुनाव कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह चुनाव प्रक्रिया मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश दीक्षित के मार्गदर्शन एवं सहायक चुनाव अधिकारी संतोष यदु, नारायणदत्त तिवारी और जयंत खिरोडकर के देखरेख में पूरी की जाएगी। नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत 9 मई से होगी। आवश्यकता पड़ने पर 24 मई, रविवार को मतदान होंगे और इसी दिन देर शाम नतीजे भी घोषित कर दिए जाएंगे। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी रमेश दीक्षित ने बताया कि सार्वजनिक श्री साई महोत्सव समिति के चुनाव के लिए मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 1 मई को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात 2, 3 एवं 4 मई को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक दावा-आपत्ति आमंत्रित किए गए है। दावा-आपत्तियों का निराकरण 6 मई को इसी समयावधि में किया जाएगा तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 8 मई को प्रातः 11 बजे किया जाएगा। श्री दीक्षित ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 9 एवं 10 मई को नामांकन पत्र वितरण से प्रारंभ होगी, जबकि 11 एवं 12 मई को नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। नामांकन पत्र वितरण और जमा के लिए प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे का समय निर्धारित किया गया है।

राजनांदगांव में वादों की राजनीति बंद करो, जनता को हकीकत का हिसाब दो – हफीज खान

कहा – पिछले बजट रहे फेल, अधूरे प्रोजेक्टों से जनता परेशान, अब पानी, सड़क, नाली और पारदर्शिता चाहिए

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नगर निगम के आगामी बजट से पहले शहर की राजनीति गर्म हो गई है। नगर निगम के वरिष्ठ कांग्रेस पार्षद हफीज खान ने महापौर और निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि निगम की व्यवस्था अब ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां वादों और इरादों के बीच की दूरी बहुत गहरी हो चुकी है।

हर साल नया बजट आता है नई उम्मीदें जगाई जाती हैं लेकिन अंत में शहरवासियों के हाथ सिर्फ निराशा लगती है। उन्होंने कहा कि अब राजनांदगांव की जनता को दिखावटी योजनाएं नहीं बल्कि जमीन से जुड़ा और हकीकत वाला बजट चाहिए। हफीज खान ने कहा कि विकास का मतलब सिर्फ शहर की चमक-दमक बढ़ाना नहीं है बल्कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। शहर की जनता को मरीन ड्राइव जैसे सौंदर्यीकरण प्रोजेक्टों से ज्यादा जरूरत निर्बाध पेयजल आपूर्ति, बेहतर ड्रेनेज व्यवस्था, जलती स्ट्रीट लाइट, चौड़ी सड़कें और सुगम यातायात की है। उन्होंने कहा कि जब शहर की मूलभूत जरूरतों के लिए बजट कम पड़ रहा है तब दिखावटी परियोजनाओं के लिए राशि आवंटित करना जनता के साथ मजाक है। उन्होंने ने स्पष्ट कहा कि हकीकत का बजट वही होगा जिसमें प्राथमिकता पहले पानी, नाली, बिजली और सड़क को दी जाए। इसके बाद ही सौंदर्यीकरण जैसी योजनाओं पर विचार होना चाहिए। उन्होंने मांग की कि नए बजट से पहले पिछले बजट में किए गए कार्यों की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए और अधूरे कामों को पूरा करने की समय सीमा तय की जाए। हफीज खान ने निगम के पिछले करीब 700 करोड़ रुपए के बजट को विफल बताते हुए कहा कि सुनहरे शहर का सपना दिखाया गया था

लेकिन अधिकांश योजनाएं या तो अधूरी हैं या शुरू ही नहीं हुईं। उन्होंने कुछ प्रमुख योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा पेयजल व्यवस्था 6.58 करोड़ रुपये, अधूरी, नाला निर्माण 3.50 करोड़ रुपये, अधूरा विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण अधूरा, मोहरा और पारटीनाला वाटर ट्रीटमेंट प्लांट 37 करोड़, काम शुरू नहीं मोंगरा बैराज डायवर्सन 15 करोड़, शुरू नहीं मैदान निर्माण 50 लाख, शुरू नहीं पार्क, ओपन जिम और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि जब पिछले वर्षों के बजट जनता को छलावा साबित हुए हैं तो अब लोग आंकड़ों और घोषणाओं पर भरोसा करने से कतरा रहे हैं। हफीज खान ने नगर निकाय चुनाव 2025 के दौरान जारी संकल्प पत्र की याद दिलाते हुए कहा कि महिलाओं के नाम दर्ज संपत्तियों पर 25 प्रतिशत प्रॉपर्टी टैक्स छूट और हर माह 7 तारीख से पहले कर जमा करने वालों को 10 प्रतिशत छूट देने का वादा किया गया था लेकिन आज तक अमल नहीं हुआ। उन्होंने छात्राओं के लिए स्कूल और कॉलेजों में फ्री सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने, पुरानी संपत्ति कर बकाया राशि को बिना ब्याज और जुर्माने के समाधान योजना से निपटाने जैसे वादों को भी अधूरा बताया। उन्होंने कहा कि खरखरा डैम से राजनांदगांव शहर को पानी देने के लिए 50 करोड़ रुपए की पाइपलाइन बिछाई गई लेकिन आज तक उसे चालू नहीं कराया गया। इसे तत्काल शुरू किया जाना चाहिए। साथ ही शहर की जर्जर सड़कों का तत्काल डामरीकरण किया जाए। हफीज खान ने कहा कि अंतिम संस्कार सहायता राशि 2500 रुपए दी जाती है जबकि गौशाला पिंजरा पोल द्वारा 3100 रुपए लिए जाते हैं। इसमें तत्काल राहत दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बजट में सभी धर्मों के श्मशान घाटों के लिए प्रावधान किया जाता है लेकिन मुस्लिम समाज के कब्रिस्तान के लिए राशि नहीं रखी जाती जबकि इसकी मांग वे पहले भी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि निगम कर्मचारियों के लिए बजट में कोई विशेष प्रावधान नहीं है। समयमान वेतनमान का लाभ एक वर्ष पहले मिल जाना चाहिए था लेकिन अब तक नहीं मिला। सेवा निवृत्त कर्मचारियों को भवन देने का वादा भी अधूरा है। हफीज खान ने कहा कि मोहरा फिल्टर प्लांट का संचालन एसएमसी को ठेके पर दिया गया है जिसने आगे तेजस कंपनी को जिम्मेदारी सौंप दी। इसके बावजूद शहरवासियों को गंदा पानी पीना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि पहले जिन निगम के सिविल वर्कर्स द्वारा बेहतर काम किया जाता था उन्हें पुनः नियुक्त किया जाए और ठेका व्यवस्था समाप्त की जाए। अंत में हफीज खान ने कहा कि राजनांदगांव की जनता अब सपनों के सौदागरों से थक चुकी है। शहर का विकास कागजों पर नहीं बल्कि सड़कों पर, नलों में और लोगों के रहन-सहन में दिखना चाहिए। अब बहाने नहीं, सिर्फ काम चाहिए। आने वाला निगम बजट जनता की उम्मीदों पर कितना खरा उतरता है इस पर पूरे शहर की नजरें टिकी हैं।

खास खबर

एसबीएस हॉस्पिटल से 5 लाख की उगाही की कोशिश करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई में एक कथित पत्रकार द्वारा अस्पताल प्रबंधन को ब्लैकमेल कर लाखों रुपये की उगाही करने के मामले में दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से अस्पताल प्रबंधन पर दबाव बनाकर अवैध वसूली की कोशिश कर रहा था। मामला एस.बी.एस. हॉस्पिटल से जुड़ा है, जहां के मैनेजर निर्मल सिंह ने थाना छावनी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि गुरूमीत सिंह वाधवा नामक व्यक्ति अस्पताल प्रबंधन को लगातार ब्लैकमेल कर 5 लाख रुपये की मांग कर रहा था। रकम नहीं देने पर वह अस्पताल को बदनाम करने और विभिन्न माध्यमों से दबाव बनाने की धमकी दे रहा था। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिन्होंने आरोपी की हरकतों की पुष्टि की। साथ ही घटना से जुड़े 13 मोबाइल फोटोग्राफ और अन्य दस्तावेजी साक्ष्य भी जुटाए गए, जिससे आरोपी के खिलाफ मजबूत प्रमाण मिले। जांच पूरी होने के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी का मकसद अस्पताल प्रबंधन को भयभीत कर अवैध धन उगाही करना था। उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ चिकित्सा सेवा संस्थान संरक्षण अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (इटर) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि किस तरह कुछ लोग फर्जी प्रभाव और दबाव बनाकर संस्थानों को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, पुलिस की त्वरित कार्रवाई ने इस मामले में साफ संदेश दिया है कि ऐसे अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली या किसी भी प्रकार के आपराधिक दबाव की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते सख्त कार्रवाई की जा सके।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हितग्राहियों को तीन माह का चावल दिया जा रहा एकमुश्त

शासन के निर्देश के व्यवस्था हुई दुरूस्त

नई दृष्टिबिंदु /राजनांदगांव

राज्य शासन के निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत जिले के नागरिकों एवं राशनकाडधारियों की सुविधा को दृष्टिगत सभी पात्र हितग्राहियों को माह अप्रैल, मई एवं जून 2026 का तीन माह का चावल एकमुश्त प्रदाय किया जा रहा है। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में संचालित सभी 498 उचित मूल्य दुकानों को तीन माह का खाद्यान्न आबंटित कर दिया गया है। नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा जिले की सभी दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण कार्य तीव्र गति से किया गया है, जिसमें कुल आबंटन के विरूद्ध लगभग 75 प्रतिशत भंडारण पूर्ण किया जा चुका है। इसके साथ ही वितरण की स्थिति भी संतोषजनक है। जिले में तीन माह के आबंटन के विरूद्ध लगभग 41 प्रतिशत राशनकाडधारियों को तीन माह का चावल एकमुश्त वितरित किया जा चुका है। शेष हितग्राहियों को भी निरंतर वितरण प्रक्रिया के माध्यम से लाभान्वित किया जा रहा है।

जिला खाद्य अधिकारी रविन्द्र सोनी द्वारा जिले में भंडारण एवं वितरण की वास्तविक स्थिति के आकलन करने राजनांदगांव शहर के मोतीपुर, नवागांव, नया ढाबा, राहुल नगर, पुलिस लाईन, स्टेडियम वार्ड के उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हितग्राही उमिर्ला चंद्राकर, देवकी पटेल, मनीषा वर्मा, कमलेश्वरी साहू, टाकेश्वरी साहू, भुवन ढीमर एवं अन्य हितग्राहियों ने बताया कि तीन माह का चावल एकमुश्त मिल हो रहा है। वितरण प्रक्रिया सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो रही है। निरीक्षण के दौरान शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालकों को तीन माह का राशन एकमुश्त वितरण के निर्देश दिये गये। नागरिकों से संबंधित उचित मूल्य दुकानों से निर्धारित प्रक्रिया अनुसार तीन माह का चावल प्राप्त करने की अपील की गई है। वितरण के दौरान किसी प्रकार की समस्या या अनियमितता की शिकायत होने पर तत्काल खाद्य विभाग के कॉल सेंटर नंबर 1800-233-3663 या 1967 पर शिकायत दर्ज करा सकते है।

अहिवारा नगर पालिका को मिला नया सीएमओ, जनप्रतिनिधियों ने किया गमजीशी से स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नगर पालिका अहिवारा में नए मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) के रूप में प्रवीण गहलोत के पदभार ग्रहण करते ही नगर में उत्साह का माहौल देखा गया। उनके आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। नगर पालिका अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में वार्ड नंबर 11 के पार्षद पुरुषोत्तम वर्मा, वार्ड नंबर 12 के पार्षद इंद्रजीत राउत सहित अरुण बंजारे, राजा शिवाले एवं विदेशी साहू उपस्थित रहे। सभी ने पौधा भेंट कर नए सीएमओ का अभिनंदन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा ने कहा कि नए सीएमओ के नेतृत्व में नगर विकास कार्यों को और गति मिलेगी तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से अहिवारा शहर स्वच्छ, सुव्यवस्थित और विकासशील बनेगा। नवनियुक्त सीएमओ प्रवीण गहलोत ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नगर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पारदर्शिता और तत्परता के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के दौरान नगर हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई और विकास कार्यों को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी।

जिपं साधारण सभा की विशेष सम्मेलन 28 को

राजनांदगांव। जिला पंचायत साधारण सभा की विशेष सम्मिलन (बैठक) 28 अप्रैल 2026 को अपराह्न 3 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में सभी सदस्यों से उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दिलीप तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी के पिता दिलीप तिवारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिलीप तिवारी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य और संबल दें। मुख्यमंत्री श्री साय ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

अपराधी घर में घुस कर गोली मार रहे, गृह मंत्री पॉलिटिकल टूरिज्म पर – दीपक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि जांजगीर-चांपा के जैजैपुर में एक व्यवसायी के घर में घुस कर गोली मारे जाने की घटना बेहद ही चिंता का विषय है। यह घटना राज्य की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था का एक और उदाहरण है। जांजगीर-चांपा में व्यवसायी के घर में आपराधियों ने उनके बड़े बेटे की गोली मार कर हत्या कर दिया, छोटा बेटा घायल है। अब आदमी अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ और बेलगाम हो चुके कि उनमें कानून का जरा भी भय नहीं बचा है। जांजगीर की घटना के पहले प्रदेश में गैंगवार की अनेकों घटनाएं पिछले ढाई साल में हुई है। राजधानी में पांच बार गोलियां चलाई गयी, रायपुर सेंट्रल जेल के सामने गोलियां चलाई गई, झारखंड के गैंगस्टर रायपुर में गोली बारी कर चुके है, बिलासपुर के मस्तुरी में व्यवसायी के ऊपर गोलियां चलाई गयी। अब तो घर में घुस कर गोली मारी जा रही है। अपराधी घर में घुस कर गोली मार रहे, गृह मंत्री पॉलिटिकल टूरिज्म पर है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि साय सरकार में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, चोरी, डकैती, बलात्कार की घटनाओं के आंकड़े बताते है कि राज्य की कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। हर घटना के बाद सरकार और पुलिस का एक रटा रटाया बयान आता है कि दोषी बख्शे नहीं जायेंगे, सख्त कार्यवाही की जायेगी, लेकिन घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी इसके लिए कोई ठोस कार्ययोजना न सरकार के तरफ से आती है और न पुलिस की तरफ से आता है। प्रदेश में हर दिन 8 बलात्कार और हर दूसरे दिन 3 सामूहिक दुराचार की घटनाएं हो रही है। राजधानी चाकूपुर बन गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था सरकार की लापरवाही, मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की अक्षमता के कारण बिगड़ी है। केवल राजधानी नहीं प्रदेश के सभी जिलों में लूट, हत्या, बलात्कार, डकैती, चाकूबाजी की घटनाएं बढ़ गयी है। राजधानी में सरकार बिगड़ती कानून व्यवस्था के नाम पर कमिश्नरी प्रणाली लागू किया गया। कमिश्नरी प्रणाली लागू होने के बाद भी राजधानी की कानून व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। लूट, चाकूबाजी, हत्या के आंकड़े वैसे के वैसे है। रायपुर में आज भी अपराधी बेखौफ है और आम नागरिक खौफजदा है। राजधानी की सड़क पर कब कौन नशे में, किसको चाकू मार दे पता नहीं?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था की जवाबदेही कौन लेगा? मुख्यमंत्री को सरकार से मतलब नहीं, गृह मंत्री दूसरे प्रदेशों में चुनाव प्रचार और रील बनाने में जुटे रहते है, राज्य का आम नागरिक बढ़ते अपराधों के खौफ में जी रहा है।

रायगढ़ में जुटे ब्राह्मण समाज के दिग्गज : वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्यनारायण शर्मा व चरण शर्मा की मौजूदगी

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

शहर में आयोजित एक भव्य विवाह समारोह उस समय विशेष बन गया, जब छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक सत्यनारायण शर्मा और चरण शर्मा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अपनी गरिमामयी उपस्थिति के साथ रायगढ़ पहुंचे। वे पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राधा सुनील शर्मा के सुपुत्र शुभम के विवाह समारोह में शामिल होने आए थे। रायगढ़ प्रवास के दौरान सत्यनारायण शर्मा शहर के प्रतिष्ठित श्रेष्ठा होटल पहुंचे, जहां उनकी मुलाकात विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामचंद्र शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमल किशोर शर्मा सहित ब्राह्मण समाज के कई प्रमुख कार्यकर्ताओं से हुई। इस अवसर पर सामाजिक एकता, संगठन की मजबूती और समाज के उत्थान से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा भी हुई। इस संबंध में जानकारी देते हुए समाजसेवी कमल शर्मा ने बताया कि सत्यनारायण शर्मा का रायगढ़ आगमन न केवल एक पारिवारिक आयोजन तक सीमित रहा, बल्कि उन्होंने समाज के लोगों से संवाद कर संगठनात्मक गतिविधियों को भी नई दिशा देने का प्रयास किया।

राजनीति और समाज सेवा का मजबूत संगम

सत्यनारायण शर्मा छत्तीसगढ़ की राजनीति का एक बड़ा और सम्मानित चेहरा रहे हैं। वे 8 बार विधायक चुने जा चुके हैं और अविभाजित मध्यप्रदेश में वर्ष 1985 में पहली बार विधानसभा पहुंचे थे। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और जनसेवा को प्राथमिकता दी। हालांकि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने स्वयं चुनाव नहीं लड़ा, लेकिन उनके पुत्र पंकज शर्मा रायपुर ग्रामीण सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे। इसके बावजूद सत्यनारायण शर्मा ने स्पष्ट किया है कि वे राजनीति से संन्यास नहीं ले रहे हैं और जीवन के अंतिम क्षण तक कांग्रेस के लिए सक्रिय रहेंगे।

विप्र फाउंडेशन के माध्यम से समाज सेवा

विप्र फाउंडेशन, ब्राह्मण समाज का एक राष्ट्रीय संगठन है, जो समाज के उत्थान, शिक्षा, संस्कृति और एकता के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सत्यनारायण शर्मा को उनके लंबे सामाजिक योगदान और ब्राह्मण समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए संगठन का राष्ट्रीय संरक्षक बनाया गया है। उनके प्रमुख योगदानों में रायपुर में विप्र भवन/धर्मशाला के लिए भूमि उपलब्ध कराने में अहम भूमिका, युवाओं को राजनीति और समाज सेवा से जोड़ना, तथा छत्तीसगढ़ में ब्राह्मण समाज की मजबूत आवाज बनकर उभरना शामिल है।

रायपुर रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं : प्रशासनिक शिथिलता का आलम, फाइलें भेजने में लगा दिए 9 दिन

रायपुर। राजनांदगांवः (नई दृष्टिबिंदु)'सरकार आपके द्वार' और 'डिजिटल इंडिया' के दौर में भी सरकारी फाइलों की चाल कछुए से भी धीमी है। नवा रायपुर स्थित 'कार्यालय रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं' की कार्यप्रणाली पर उस समय बड़ा सवाल खड़ा हो गया, जब एक सरकारी पत्र को अपने ही कार्यालय से पोस्ट करने में 9 दिन का लंबा समय लग गया। 9 दिन चले अढ़ाई कोस" वाली कहावत हुई चरितार्थ कार्यालय से जारी एक पत्र (क्रमांकः शिखा-1614/55/26), जिस पर 09 अप्रैल 2026 की तारीख अंकित है, उसे डाक के माध्यम से राजनांदगांव निवासी नरेंद्र कुमार जैन तक पहुँचना था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि रायपुर के इंद्रावती भवन से निकलने वाला यह पत्र 9 दिनों तक कार्यालय की फाइलों में ही दबा रहा। स्पीड पोस्ट की ट्रैकिंग रिपोर्ट इस लापरवाही का कच्चा-चिट्ठा खोलती है: पत्र पर अंकित तिथि: 09 अप्रैल 2026, डाक में बुकिंग की तिथि: 18 अप्रैल 2026, गंतव्य तक डिलीवरी: 20 अप्रैल 2026, विभाग द्वारा लिया गया अतिरिक्त समयः 9 दिन, डाक विभाग तेज, सरकारी विभाग सुस्त, डेटा का विश्लेषण करें तो साफ है कि अगर विभाग ने पत्र को 9 अप्रैल को ही डिस्पैच किया होता, तो वह 11 या 12 अप्रैल तक राजनांदगांव पहुँच गया होता। स्पीड पोस्ट की रसीद बताती है कि डाक विभाग ने अपनी जिम्मेदारी मात्र 2 दिनों (18 अप्रैल से 20 अप्रैल) में पूरी कर ली, जबकि नवा रायपुर से राजनांदगांव की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। सवाल यह है कि यदि 90 किलोमीटर का सफर डाक महज 2 दिन में तय कर सकती है, तो कार्यालय के बाबू और जिम्मेदार अधिकारियों को उस लिफाफे को डाकघर तक पहुँचाने में 9 दिन क्यों लग गए?, क्या कार्यालय में बढ़ रही है लापरवाही?

संपादकीय

वॉशिंग मशीन वाली राजनीति : दाग अच्छे हैं, बस रंग सही होना चाहिए

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति इन दिनों विचारधारा से ज्यादा धुलाई कला के लिए चर्चा में है। सियासी गलियारों में एक नया मुहावरा गूंज रहा है—वॉशिंग मशीन। फर्क बस इतना है कि यहां कपड़े नहीं, करियर धुलते हैं; और साबुन नहीं, सत्ता काम करती है। कहते हैं कि पहले आरोप लगते थे, फिर जांच होती थी, फिर अदालत फैसला करती थी। अब आरोप लगते हैं, जांच शुरू होती है, और फिर अचानक कोई नेता सही विचारधारा में स्नान कर लेता है—और देखते ही देखते दाग हल्के पड़ने लगते हैं। जनता भी हैरान है कि यह टेक्नोलॉजी आखिर आई कहां से। विपक्ष का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी ने ऐसी मशीन इजाद कर ली है, जिसमें घुसते ही पुराने सारे दाग गायब हो जाते हैं। उदाहरण भी गिनाए जाते हैं—हेमंत बिस्वा शरमा से लेकर शिवेंदु अधिकारी तक कई नाम सियासी बहस में उछाले जाते हैं। हालांकि, सत्ताधारी पक्ष इस पूरे तंज को सिरे से खारिज करता है। उनका कहना है कि यहां कोई मशीन नहीं, सिर्फ कानून का सिस्टम काम करता है। जो निदोष होता है, वही टिकता है—और जो दोषी है, उसे कानून सजा देता है। बाकी सब विपक्ष की कल्पना और निराशा का परिणाम बताया जाता है। लेकिन जनता की जिज्ञासा खत्म नहीं होती। सवाल यह भी है कि अगर मशीन नहीं है, तो सफाई इतनी तेज कैसे हो जाती है? और अगर है, तो उसका मैन्युफैक्चरर कौन है—कानून, सत्ता या समय? इसी बहस के बीच सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां भी चर्चा के केंद्र में आ जाती हैं। एक पक्ष उन्हें न्याय का औजार बताता है, तो दूसरा राजनीतिक प्रेशर कुकर। सियासत का यह नया दौर बड़ा दिलचस्प है—यहां विचारधारा की जगह अवसरधारा बह रही है। कल तक जो नेता एक–दूसरे पर आरोपों की बारिश करते थे, आज एक ही छतरी के नीचे खड़े दिखाई देते हैं। आखिर में सवाल वही पुराना है—क्या राजनीति अब सिद्धांतों से चलेगी या परिस्थितियों से? और क्या वॉशिंग मशीन सिर्फ एक व्यंग्य है, या फिर लोकतंत्र के नए युग का अनौपचारिक प्रतीक? फिलहाल इतना तय है कि इस मशीन की चर्चा बंद होने वाली नहीं है—क्योंकि दाग भी बने रहेंगे और धुलाई की कहानी भी।

बूथ से मजबूती की शुरुआत मुकेश खुद बने बूथ अध्यक्ष

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर में कांग्रेस की राजनीति अब नए मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। वर्षों से बूथ स्तर पर कमजोर माने जाने वाले संगठन पर अब मजबूती का काम शुरू हो गया है। भिलाई शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर ने खुद अपने बूथ की जिम्मेदारी संभालकर न सिर्फ एक नई शुरुआत की है ऐसे माहौल में मुकेश चंद्राकर का खुद बूथ अध्यक्ष बनना एक बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है।

उन्होंने साफ कर दिया है कि अब सिर्फ पद संभालने से काम नहीं चलेगा, जिम्मेदारी भी उठानी होगी। संगठन पर अब खुलकर चंद्राकर ने दो टूक कहा कि जो व्यक्ति बूथ का अध्यक्ष बने, उसे अपने क्षेत्र के हर मतदाता की जानकारी होनी चाहिए—कौन किसके साथ है, किसकी क्या सोच है, और किस तरह बूथ को मजबूत किया जा सकता है। सिर्फ नाम के लिए कमेटी बनाकर घर बैठने वालों के लिए अब पार्टी में जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी को सीधे तौर पर कहा—अगर पार्टी को जीत दिलानी है तो पहले हर नेता को अपना बूथ जीतना सीखना होगा। उनका कहना है कि विधायक, पदाधिकारी और बड़े चेहरे अगर खुद बूथ की जिम्मेदारी लें, तो न सिर्फ संगठन मजबूत होगा बल्कि चुनावी रणनीति भी जमीन से जुड़ी और प्रभावी बनेगी। चंद्राकर की यह पहल सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर बदलाव की चेतावनी मानी जा रही है अब कागजी राजनीति नहीं, जमीन पर लड़ाई होगी॰॰ और शुरुआत बूथ से ही होगी।

हिंदी पत्रकारिता : सबक 200 साल के

विकसित भारत का मंत्र है-हिंदुस्तानियों के हित के हेत

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल का जश्न मनाते हुए हमें यह विचार भी करना चाहिए कि आखिर हम कहां आ गए हैं। 30 मई, 1826 को पं.युगुलकिशोर शुक्ल ने हाहिंदुस्तानियों के हित के हेतह्व का मंत्रघोष करते हुए अपना जब अपना पत्र ह्यउदंत मार्तण्डह्व निकाला था तो दिन चुना था नारद जयंती का। लेकिन अपने गहरे मूल्यबोध, भाषा प्रेम के बावजूद वे उसे चला नहीं पाए। वह पहले अखबार की त्रासदी थी, किंतु वह शुरुआत थी। जिसने हिंदी को आत्मविश्वास दिया कि इस भाषा में भी अखबार निकाले जा सकते हैं। इसके पहले अंग्रेजी, बंगाली, फारसी के अखबार तो कोलकाता से निकल ही रहे थे। इन सबके बीच हिंदी ने भी अपनी जगह बनाई। इसलिए ह्यउदंत मार्तण्डह्व के प्रकाशन के बाद की 200 सालों की यात्रा हिंदी पत्रकारिता के आत्मविश्वास, मूल्यचेतना और देश का प्रखर स्वर बन जाने की यात्रा भी है।

आज हिंदी और भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता देश का मुख्य स्वर है। अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त हुए देश ने अपनी भारतीय भाषाओं में लिखना, बोलना,पढ़ना और सुनना प्रारंभ किया। हिंदी और भारतीय भाषाओं का मीडिया अपनी लोकप्रियता में अग्रणी है। अंग्रेजी मीडिया की इससे कोई तुलना नहीं हो सकती। प्रभाव, गुणवत्ता और पहुंच सभी मामलों में आज भारतीय भाषाओं का मीडिया इस देश की आकांक्षाओं, सपनों, संघर्ष, जनांदोलनों और आतर्नाद को आवाज देने वाला मीडिया बन चुका है। देश के जनसामान्य के सपनों और उम्मीदों का अक्स भारतीय भाषाओं की मीडिया में दिखता है। गांव–गांव तक पहुंचे अखबारों ने एक अलग प्रकार का सशक्तीकरण किया है। रेडियो ने राहत दी है तो टीवी उन्हें देश के चेहरे दिखाता है। अब डिजीटल माध्यमों से लोकभाषाएं भी प्रवास कर रही हैं। दुनिया भर में हमारी भाषाएं ही नहीं, बोलियां भी सुनी, देखी जा रही हैं। ह्ययू–ट्यूबह्व ने भारत के ह्यस्वह्व को वैश्विक आधार दिया है। अपनी संस्कृति से,भाषा से, प्रदर्शन कलाओं से, खानपान, रीति–रिवाज से जुड़े रहना अब आसान है। यू–ट्यूब पर अनेक लोग आपको इन विधाओं से जोड़ते हैं, भले ही आप दुनिया के वृत्त में कहीं भी बसे हों।

लोकप्रियता और सार्थकता के द्वंद-

आज बहस यहां आकर टिक गयी है कि लोकप्रियता और सार्थकता में किसे चुना जाए। प्रिंट मीडिया में तो बहुत कुछ आज भी संभला हुआ है किंतु डिजिटल माध्यमों में लोकप्रिय होने और लाइक्स की होड़ के कारण बहुत कुछ गड़बड़ भी हो रहा है। कंटेंट की शुचिता सवालों के घेरे में है। फेक न्यूज, हेट न्यूज, अश्लीलता का बाजार सब कुछ यहां है। ठग, सलाहकार, मनोविकारी, अपराधी और पाखंडी भी यहां अपना व्यापार चला रहे हैं। लोगों को धोखा दे रहे हैं। कंटेंट के इस बाजार में सब कुछ ह्यअमृतह्व नहीं है, यहां ह्यजहरह्व भी है और मनोविकार भी। इसलिए मीडिया की व्यापकता ने परंपरागत मीडिया प्रतिष्ठानों को हैरत में डाल दिया है। अनेक कथित विचार नायक उभरकर आए हैं। यू–ट्यूबर नाम की नई प्रजाति भी दिखती है। उसमें अनेक बहुत अच्छा काम कर रहे हैं तो बड़ी मात्रा में मनोविकारों के प्रचारकर्ता भी हैं। इस कठिन समय में मीडिया के पारंपरिक अधिष्ठान पर कार्य करने वालों के सामने खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की बड़ी चुनौती है। नए माध्यमों पर अवतरित योद्धा कुछ भी कह रहे हैं और देश उन्हें सुन रहा है। ऐसे में किया क्या जाए।

पठनीयता का संकट-डिजिटल का जश्न-

पत्रकारिता के 200 साल का जश्न मनाते समय हमें सबसे बड़ी चिंता प्रिंट माध्यमों की पठनीयता की है। अखबारों, पत्र–पत्रिकाओं,किताबों की पठनीयता गहरे संकट में है। मोबाइल माध्यमों पर जाते युवा अब शायद ही अखबार पढ़ते हों। जहां अखबार जा रहे हैं वहां भी वे पलटे भी जा रहे हों, तो बड़ी बात है। इसका आभास आपको गायब होते बुक स्टालों से होगा। पहले बुक स्टाल पत्र–पत्रिकाओं से गुलजार रहा करते थे। आज उनकी संख्या कम दिखती है। एचए व्हीलर,सवीदय के बुक स्टाल रेलवे स्टेशनों पर आकर्षण का केंद्र थे, आज उन स्टालों पर किताबें कम खाद्य सामग्री ज्यादा बिक रही है। एयरपोर्ट्स पर कुछ सजीले बुक स्टाल्य दिखेंगे जहां से हिंदी और भारतीय भाषाओं का साहित्य नदारद दिखेगा। पत्र– पत्रिकाओं की तो जाने दीजिए।

कायम है छपे हुए शब्दों पर भरोसा

देश की बड़ी आबादी का भरोसा छपे हुए शब्दों पर आज भी कायम है। यह भरोसा ही इस देश के प्रिंट मीडिया की शक्ति है। इससे ही प्रिंट मीडिया अपने को बनाए और बचाए हुए है। इसके साथ ही उनके ई–पेपर और पोर्टल पर जा रहे युवा और अन्य पाठक बताते हैं कि बदलते माध्यमों के साथ भी वे अपने अखबार या मैगजीन से जुड़े हुए हैं। इसका एक लाभ यह भी है कि हमारी पत्र–पत्रिकाओं का भूगोल अब वैश्विक है। एक अखबार को छापकर आप कहां तक पहुंचा सकते हैं, किंतु उसके ई–पेपर को पूरी दुनिया में देखा जा सकता है। यह विस्तार भी नए तरीके से माध्यमों को लाभ पहुंचा रहा है। पहले मुफ्त में आनलाईन पढ़ने की सुविधा से अलग अब कुछ मीडिया समूह पाठकों से धन अर्जित करने लगे हैं।

वह आनलाइन मेंबरशिप के तौर भी है। गूगल के विज्ञापनों से भी। केंद्र और राज्य सरकारें भी अब लाइनलाईन मीडिया को विज्ञापन देने लगी हैं। यह एक नया बदलाव है, जिसे समझा जाना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि मोबाइल अब सामग्री ग्रहण करने का मुख्य पटल बन गया है। ऐसे में अपने माध्यमों को न सिर्फ मोबाइल के लायक बनना होगा बल्कि यहां उपलब्ध भी होना होगा। ऐसा करके अनेक मीडिया प्रतिष्ठानों ने खासी पाठक और दर्शक संख्या पाई है, जो उनके प्रिंट संस्करण कभी नहीं पा सकते थे।

नहीं पढ़ सकते, सुनिए जनाब

नए समय में मीडिया ने तकनीक की सवारी कर ली है। इसके कई लाभ भी हैं। किसी भी मीडिया को अब किसी भी भाषा में पढ़ने की सुविधा इसके विस्तार का बड़ा कारण बन रही है। टेक्स्ट का संकट भी खत्म होता दिख रहा है, जब आप लिपि न आने के कारण कुछ पढ़ न सकें तो उसे सुन सकते हैं। इसी के चलते किताबों को, अखबारों में छपी खबरों को सुना जा रहा है। बहुत समय तक अपने माध्यमों पर रोमन में खबरें पढ़ते थे, आज देवनागरी लिपि न आने के बाद भी अगर भाषा को समझ है तो हिंदी को सुनकर समझ सकते हैं। यह एक तरह की क्रांति ही है। नित नई सुविधाएं शायद लिपि, भाषा की सीमाएं तोड़कर एक नई दुनिया रचें। जिसमें आप अपनी सामग्री अपनी भाषा में सुन सकते हैं। निरंतर विकसित होते एआई टूल्स इसे संभव करने में लगे हैं।

क्या हों हमारे संकल्प

इस पूरे परिदृश्य में हमें तकनीक ने बहुत सी सुविधाएं दी हैं। अब जरूरत इस बात की है कि हम अपनी भाषाओं को श्रेष्ठ ज्ञान, सूचनाओं का केंद्र बनाएं। अब बाजार में वही टिकेगा जिसके पास श्रेष्ठ होगा। जाहिर है हमें अपने माध्यमों को कंटेंट की दृष्टि से सबल और सार्थक बनाना होगा। हमारे पास दुनिया को देने के लिए भारत का विचार है। शांति, सद्भाव का विचार है। संवाद से संकटों का हल करने का लंबा अभ्यास है। भारतीय पत्रकारिता आज वैश्विक मंच पर भी स्थान बना चुकी है। वह दुनिया की खास आवाज है। इसे जनसरोकारों से आगे जाकर लोकमंगल और विश्वमंगल के लक्ष्य से भी जुड़ना होगा। सिर्फ समस्याओं को उठाने वाली पत्रकारिता से आगे समाधान को भी प्रस्तुत करने वाला मीडिया अभी प्रतीक्षित है। ह्यहिंदुस्तानियों के हित के हेतह्व का हिंदी के प्रथम संपादक का संकल्प हमारा भी संकल्प बने। यह संकल्प ही विकसित भारत का ध्येयमंत्र बन सकता है। भारतीय पत्रकारिता अपने उजले अतीत से प्रेरणा लेकर नया भारत बनाने के मिशन को पूरा करेगी इसमें संशय नहीं है।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है सरकार : साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डबल इंजन की हमारी सरकार पंचायती राज संस्थाओं को सशक्त बनाकर विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में गांवों के समग्र विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में आयोजित पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा कर गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता से ही गांवों का विकास होगा और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों और पंचायत प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा कर गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत पंचायत प्रतिनिधि के रूप में की थी तथा पंच और सरपंच के दायित्व का निर्वहन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि के रूप में गांव के विकास को लेकर जो अनुभव प्राप्त होते हैं, वही आगे बढ़ने में सहायक होते हैं। आज हजारों जनप्रतिनिधि पंचायत से अपना सफर शुरू कर देश के उच्च सदनों तक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाने में पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका है और जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने से ही प्रभावी नीतियां बनती हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा कर गांव के विकास में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब ग्रामीणों को पक्के मकान मिल रहे हैं, साथ ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सेवा केंद्रों के माध्यम से बैंकिंग, बिजली बिल भुगतान, पेंशन और बीमा जैसी सेवाएं अब ग्रामीणों के लिए सहज हो गई हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आई है। महिलाओं के लिए महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से कई पूर्ण हो चुके हैं और इनसे महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने पंचायत प्रतिनिधियों से कहा कि पंचायतों में संचालित सभी गतिविधियों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करें, ताकि गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सभी विकास कार्य पूर्ण हो सकें। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके सफल क्रियान्वयन में पंचायतों की जिम्मेदारी बड़ी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरा करने में पंचायत प्रतिनिधियों को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुशासन तिहार के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए शिविर लगाए जाएंगे। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से सुशासन तिहार के आयोजन और इसके माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना के तहत लंबित बिजली बिलों के भुगतान के लिए विशेष अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें सरचार्ज पूरी तरह माफ किया गया है और अतिरिक्त रियायत का भी प्रावधान है। श्री साय ने प्रतिनिधियों से इसका लाभ अधिक से अधिक ग्रामीणों को दिलाने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए हर संभव संसाधन उपलब्ध कराएगी और सभी प्रतिनिधियों से अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने की अपील की। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मंशा के अनुरूप अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को पंचायत दिवस की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त करते हुए विकास कार्यों की लगातार स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास की जिम्मेदारी के साथ–साथ पंचायत प्रतिनिधियों पर सामाजिक जिम्मेदारी भी होती है, जिसका वे बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। सम्मेलन को सांसद बृजमोहन अग्रवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रोजेक्ट पर आधारित स्टालों का किया अवलोकन, मेगा स्वास्थ्य शिविर की विशेष पहल की सराहना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंचायत पदाधिकारी सम्मेलन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट छांव के अंतर्गत आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर और विभिन्न प्रोजेक्ट पर आधारित स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने सिलाई–कढ़ाई का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं से चर्चा की और आजीविका संवर्धन के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री साय ने जिला प्रशासन रायपुर द्वारा नवजात शिशुओं में जन्मजात हृदय रोगों की पहचान के लिए प्रोजेक्ट धड़कन, देहदान को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोजेक्ट दधीचि, किसानों को नवाचार से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट नैनो, प्रोजेक्ट रचना, प्रोजेक्ट स्मृति पुस्तकालय, प्रोजेक्ट पाई–पाई, ग्लोबल गांव, ज्ञान भारतम, प्रोजेक्ट सिग्नल, मेरा गांव मेरी पहचान, प्रोजेक्ट अजा, प्रोजेक्ट बिजनेस दीदी समेत विभिन्न प्रोजेक्ट के स्टालों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र एवं राशि का वितरण किया।

महान क्रिकेटर सचिन खेल को बढ़ावा देने बस्तर आए, यही बड़ी बात है

सुनील दास

देश के महान क्रिक्रेट खिलाडी.सचिन छत्तीसगढ़ तो कई बार क्रिकेट खेलने आए हैं। इस बार वह छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्र बस्तर आए है सचिन जैसे महान खिलाड़ी के लिए बस्तर के बच्चों के लिए समय निकालकर खेलों को बढ़ावा देने के लिए आना ही अपने आप में बड़ी बात है। देश में कई खेलों के बड़े बड़े खिलाड़ी हैं, वह अपने राज्य में अपने क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने का काम करते होंगे।सचिन भी चाहते तो अपने राज्य महाराष्ट्र तक ही सीमित रहकर वहां के बच्चों में खेल को बढ़ावा देने का काम कर सकते थे।क्रिक्रेट अकादमी खोलकर बच्चों को क्रिकेट का प्रशिक्षण दे सकते थे और पैसा कमा सकते थे लेकिन उन्होंने बस्तर को चुना खेल को बढ़ावा देने के लिए। उनकी यही सोच उनको बाकी बड़े खिलाड़ियों से अलग करती है।आजकर बड़े खिलाड़ी तो पैसा बहुत कमाते हैं लेकिन पैसों का सदुपयोग करना नहीं जानते हैं .जिस देश के लोगों ने उनको पैसा दिया है, वह देश के बच्चों के लिए उस पैसे का एक हिस्सा खर्च नहीं करना चाहते हैं। सचिन ने पैसा कमाया है तो वह कमाए पैसों का सदुपयोग भी कर रहे हैं।

पीएम मोदी जब भी देश के किसी प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों से मिलते हैं तो चाहे वह ओलिंपिक विजेता को,विश्वकप विजेता है, महिला हों या पुरुष खिलाड़ी है पैरा खिलाडी.हो उनसे यह जरूर कहते हैं कि आप अपने शहर के तीन स्कूल में जरूर जाना, शहर के बच्चों के बीच जरूर जाना।इससे बच्चों को खेलने की प्रेरणा मिलती है।सचिन तो इस मामले में सभी खिलाड़ियों से ज्यादा लोकप्रिय है और वह जैसा जीवन जीते हैं, उससे उनको देश का सबसे आदर्श खिलाड़ी माना जा सकता है। वह आज जब बस्तर आए तो ऐसा लगा कि महान लोगों की सोच में कितनी समानता होती है, पीएम मोदी चाहते है कि महान खिलाड़ियों को बच्चों को बीच जाना चाहिए और महान खिलाड़ी सचिन बस्तर के बच्चों के बीच आते हैं तो बच्चों

को बड़ी प्रेरणा मिलना स्वाभाविक है। देश के महान खिलाड़ी से देश के बच्चों को महान खिलाडी.बनने की प्रेरणा मिलती है। देश मे एक महान खिलाड़ी होने पर कई महान खिलाड़ी पैदा होने की पूरी संभावना होती है।

सचिन ने इस देश में क्रिकेट का सबसे ज्यादा लोकप्रिय बनाया है। आज देश में सबसे ज्यादा क्रिकेट खिलाड़ी हैं तो उनमें ज्यादातर ने सचिन को ही क्रिक्रेट खेलते देखकर क्रिकेट खेलना शुरू किया और आज देश में विराट कोहली,युवराज,रोहित शर्मा,धोनी आदि दूसरी पीढ़ी के खिलाड़ियों के बाद आज देश में क्रिकेट में क्रिकेट की तीसरी व चौथी पीढ़ी तैयार हो रही है।बड़े खिलाड़ियों से प्रेरणा लेकर ही खिलाड़ी बड़ा खिलाड़ी बनने का सपना देखता है और कपिल,गावस्कर को देखकर सचिन सचिन बनता है तो सचिन को देखकर विराट कोहली, युवराज आदि बनते हैं।विराट कोहली के बाद अभिषेक,वैभव बडा खिलाड़ी बनने का सपना देखते हैं। किसी देश में एक महान खिलाड़ी पैदा होता है तो उसके बाद उससे प्रेरणा लेकर कई महान खिलाड़ी पैदा होते हैं।

सचिन ने बचपन में मुंबई की गलियों मे क्रिकेट खेलकर महान खिलाड़ी बने है वह जानते हैं कि बस्तर जैसे आदिवासी क्षेत्रों में तो खेल की सुविधाओं की बहुत कमी होगी लेकिन खेल प्रतिभा बहुत होगी। यही वजह है कि वह बस्तर आकर कहते हैं कि खेल के प्रति जुनून के साथ ही खेल सुविधाओं का होना जरूरी है कम से में कम न्यूनतम सुविधाएं तो होनी चाहिए। आदि एक अच्छा मैदान खेलने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है ।यही वजह है सचिन का जोर शुरुआत में बस्तर में खिलाड़ियों को कुछ अच्छे मैदान उपलब्ध कराना है।वह ऐसा कर रहे तो माना जा सकता है कि वह ऐसा करने में जरूर सफल होंगे।

मैदान के बाद खिलाड़ियों को प्रशिक्षण की जरूरत होती है तो सचिन के फाउंडेशन का प्रयास है कि क्षेत्र के लोगों को ही खेल का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षक बनाया जाए।सचिन ने इस साल शुरुआत की है। आने वाले समय में बस्तर में खेलों का विकास होगा और अच्छे खिलाड़ी बस्तर से निकलकर देश में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे। सरकार भी अपने स्तर पर बस्तर व सरगुजा ओलिंपिक का आयोजन कर राज्य के आदिवासी युवाओं को खेल मंच मुहैया करा रही है इससे आदिवासी क्षेत्र की प्रतिभाओं का अपने प्रतिभा प्रदर्शन करने का मौका मिल रहा है इस काम में सचिन के शामिल होने से यह काम और अच्छे से हो सकेगा और वह बस्तर जो कभी नक्सलियों आतंक के लिए बदनाम था आने वाले समय में अपने खिलाड़ियों के खेल के कारण जाना जाएगा ।सचिन ने कहा है कि बस्तर में हीरे है उनको तराशने की जरूरत है तो यह हीरे एक दिन जरूर अपनी चमक से दुनिया को हैरान करेंगे।

जांघों में खुजली क्यों होती है?

गर्मियों में पसीना बढ़ने के साथ शरीर में खुजली की समस्या आम हो जाती है। खासकर जांघों के बीच होने वाली खुजली कई बार असहज स्थिति पैदा कर देती है। अक्सर लोग इसे साधारण समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई मामलों में यह शरीर के अंदर की कमी या इंफेक्शन का संकेत भी हो सकती है। इसलिए इसका सही कारण समझना बेहद जरूरी है।

जांघों में खुजली के मुख्य कारण

जांघों में खुजली कई वजहों से हो सकती है। सबसे आम कारण ज्यादा पसीना आना है, जिससे त्वचा में नमी बनी रहती है और बैक्टीरिया या फंगस पनपने लगते हैं। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी एक बड़ी वजह है, जो खासकर गर्म और नम जगहों पर जल्दी फैलता है। टाइट कपड़े पहनने से त्वचा पर रगड़ होती है, जिससे जलन और खुजली बढ़ जाती है। अगर अंडरवियर समय पर नहीं बदला जाए या साफ-सफाई का ध्यान न रखा जाए, तो भी यह समस्या बढ़ सकती है। साथ ही, शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी खुजली का कारण बन सकती है।

किस विटामिन की कमी से होती है खुजली?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, जांघों में खुजली का एक अहम कारण विटामिन B12 की कमी हो सकता है। खासतौर पर विटामिन B12, B6 और B2 की कमी से त्वचा झाई और संवेदनशील हो जाती है। जब त्वचा में नमी कम हो जाती है, तो उसमें खुजली, जलन और रूखापन बढ़ने लगता है। इसलिए शरीर में इन विटामिन्स का संतुलन बनाए रखना जरूरी है, ताकि त्वचा स्वस्थ बनी रहे।

आयुर्वेद के अनुसार कारण

आयुर्वेद में खुजली को 'कंडू' कहा जाता है। इसके अनुसार यह समस्या शरीर में पित्त और कफ दोष के असंतुलन की वजह से होती है। जब हम ज्यादा तला-भुना, मसालेदार या मीठा खाना खाते हैं, तो यह असंतुलन और बढ़ जाता है। इसका असर त्वचा पर दिखने लगता है और खुजली की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए संतुलित और हल्का भोजन करना फायदेमंद होता है।

खुजली से राहत पाने के आसान उपाय

खुजली से राहत पाने के लिए कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। नहाने के पानी में नीम के पत्ते उबालकर मिलाने से त्वचा के बैक्टीरिया खत्म होते हैं और खुजली में आराम मिलता है। सही खानपान भी बहुत जरूरी है। डाइट में विटामिन से भरपूर फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि शरीर की इम्युनिटी मजबूत रहे। नारियल तेल और एलोवेरा जेल को मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक मिलती है और खुजली कम होती है। इसके साथ ही हमेशा साफ और ढीले कपड़े पहनें, रोज अंडरवियर बदलें और शरीर को सूखा रखने की कोशिश करें, ताकि इंफेक्शन का खतरा कम हो सके।

कब डॉक्टर से सलाह लें?

अगर खुजली लंबे समय तक बनी रहती है या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से तुरंत सलाह लेना जरूरी है, ताकि सही कारण का पता लगाकर समय पर इलाज किया जा सके।

हर दिन तिल खाने से मिलेंगे ये फायदे, दांत और मसूड़े भी रहेंगे मजबूत

आयुर्वेद में तिल को हमेशा से ही एक 'पोषण का खजाना' माना गया है। ये छोटे-छोटे बीज दिखने में भले ही साधारण लगें, लेकिन इनके अंदर सेहत के लिए कई बड़े फायदे छिपे होते हैं। खासकर दांत, मसूड़े और हड्डियों की मजबूती के लिए तिल बेहद उपयोगी माना जाता है।

दांत और मसूड़ों को बनाता है मजबूत

तिल में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है, जो दांतों की मजबूती के लिए जरूरी होता है। नियमित रूप से तिल का सेवन करने से दांतों की जड़ें मजबूत होती हैं और मसूड़ों की कमजोरी दूर होती है। इसके अलावा इसमें मौजूद फॉस्फोरस दांतों की संरचना को मजबूत बनाता है, जिससे दांत लंबे समय तक स्वस्थ रहते हैं।

हड्डियों के लिए भी फायदेमंद

तिल सिर्फ दांतों ही नहीं, बल्कि हड्डियों के लिए भी बहुत लाभकारी है। इसमें मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कमजोरी को कम करते हैं।

खून की कमी और इम्युनिटी में मददगार

वहीं जिंक शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बढ़ाता है, जिससे शरीर कई बीमारियों से बचा रहता है तिल में आयरन भी पाया जाता है, जो शरीर में खून की कमी (एनीमिया) को दूर करने में मदद करता है।

दिल की सेहत के लिए भी अच्छा

तिल में मौजूद हेल्दी फैट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। इससे दिल की सेहत बेहतर रहती है और हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है।

पाचन तंत्र को करता है मजबूत

तिल में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को कम करता है और पेट को साफ रखने में सहायक होता है।

त्वचा और बालों के लिए भी लाभकारी

तिल के एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को निखार देने और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। यही वजह है कि कई स्किन और हेयर केयर प्रोडक्ट्स में भी तिल का उपयोग किया जाता है। छोटे दिखने वाले तिल के बीज वास्तव में सेहत का बड़ा खजाना हैं। इन्हें संतुलित मात्रा में अपने दैनिक आहार में शामिल करके शरीर को कई तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बार-बार जम्हाई आना हो सकता है गंभीर बीमारी का संकेत

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जम्हाई आना एक आम बात मानी जाती है। अक्सर लोग इसे नींद की कमी, थकान या बोरियत से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कई बार यही साधारण सी लगने वाली जम्हाई शरीर के अंदर छिपी किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकती है? अगर आपको बिना किसी स्पष्ट वजह के बार-बार जम्हाई आने लगे, तो यह सिर्फ थकान नहीं बल्कि शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का इशारा हो सकता है। आइए जानते हैं इसके पीछे छिपे कारण और कब आपको सतर्क हो जाना चाहिए।

दिमाग से जुड़ी समस्याओं का संकेत

लगातार और अनियंत्रित जम्हाई कई बार न्यूरोलॉजिकल यानी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। यह स्थिति मिर्गी, आघात या ब्रेन में चोट जैसी समस्याओं से संबंधित हो सकती है। कुछ मामलों में यह फ्रंटल लोब सीजर का हिस्सा भी हो सकती है, जिसमें दिमाग का एक हिस्सा असामान्य रूप से सक्रिय हो जाता है। ऐसे में शरीर बार-बार जम्हाई लेने लगता है क्योंकि दिमाग के सामान्य कार्य प्रभावित होने लगते हैं।

ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम में गड़बड़ी

जम्हाई का संबंध सिर्फ दिमाग से ही नहीं, बल्कि शरीर के स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली से भी होता है। यह सिस्टम दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर और पाचन जैसी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करता है। जब इसमें असंतुलन आता है, तो बार-बार जम्हाई आ सकती है। रिसर्च के अनुसार, जम्हाई के दौरान शरीर का पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम अधिक सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर रिलैक्स मोड में चला जाता है।

दिमाग के तापमान से जुड़ा संबंध

कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि जम्हाई का संबंध दिमाग के तापमान को नियंत्रित करने से भी होता है। जब दिमाग गर्म होने लगता है, तो जम्हाई के जरिए ठंडी हवा अंदर जाती है, जिससे दिमाग को ठंडा करने में मदद मिलती है। हालांकि, यह सिद्धांत अभी भी शोध का विषय है।

कब सतर्क होना जरूरी है?

हर बार जम्हाई आना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता।

अक्सर इसके पीछे ये सामान्य कारण हो सकते हैं

नींद की कमी होना।

ज्यादा काम या थकान

बोरियत या मानसिक थकावट

लेकिन अगर आपको ये लक्षण दिखाई दें, तो तुरंत सावधान हो जाएं

बिना वजह बार-बार जम्हाई आना

चक्कर आना

कमजोरी महसूस होना

ध्यान लगाने में परेशानी

सोचने-समझने में बदलाव

ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

क्यों जरूरी है समय पर जांच?

अगर जम्हाई किसी गंभीर समस्या का संकेत है, तो समय रहते जांच और इलाज बहुत जरूरी हो जाता है। शुरुआत में ही ध्यान देने से बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। जम्हाई आना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह बार-बार और बिना कारण होने लगे, तो इसे हल्के में लेना सही नहीं है। शरीर अक्सर छोटे-छोटे संकेतों के जरिए हमें बड़ी समस्याओं के बारे में पहले ही चेतावनी देता है। इसलिए अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें और किसी भी असामान्य लक्षण को समय रहते समझकर सही कदम उठाएं।

गले के कैंसर की शुरुआत किन वजहों से होती है?

5 कारण जरूर जानें

गले का कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो धीरे-धीरे विकसित होती है। शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य गले की समस्या जैसे लगते हैं, इसलिए लोग अक्सर इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर समय रहते इसके संकेत पहचान लिए जाएं, तो इलाज आसान हो सकता है और बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।

गले में कैंसर कैसे शुरू होता है?

गले का कैंसर तब शुरू होता है जब गले की कोशिकाएं असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। यह स्थिति लंबे समय तक गले में जलन, संक्रमण या लगातार नुकसान की वजह से विकसित हो सकती है। शुरुआत में यह समस्या साधारण इंफेक्शन जैसी लगती है, लेकिन धीरे-धीरे गंभीर रूप ले सकती है।

लगातार गले में खराश रहना

अगर गले में खराश या दर्द 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। आमतौर पर लोग इसे सामान्य सर्दी-खांसी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह शुरुआती संकेत हो सकता है।

आवाज में बदलाव आना

गले के कैंसर की शुरुआत में आवाज भारी या बदल जाती है। यह बदलाव लंबे समय तक बना रहता है और दवा लेने के बाद भी ठीक नहीं होता। अगर आवाज लगातार बदल रही हो, तो डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

गर्दन या गले में गांठ बनना

गले या गर्दन में किसी भी तरह की सूजन या गांठ का बनना चिंता का विषय हो सकता है। अगर यह गांठ समय के साथ कम न हो और लगातार बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खांसी में खून आना

अगर खांसी के दौरान खून आने लगे, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। गले में दर्द के साथ खून आना सामान्य बात नहीं है और तुरंत मेडिकल जांच की जरूरत होती है।

गले में लगातार जलन या असहजता

गले में लंबे समय तक जलन, खिंचाव या कुछ अटका हुआ महसूस होना भी शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकता है। यह समस्या लगातार बनी रहे तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

गले के कैंसर के शुरुआती लक्षण अक्सर सामान्य बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर कोई भी लक्षण लंबे समय तक बना रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। गले का कैंसर धीरे-धीरे बढ़ने वाली बीमारी है, लेकिन इसके शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय पर इलाज शुरू किया जा सकता है। लगातार गले में परेशानी, आवाज में बदलाव या गांठ जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज न करें और तुरंत विशेषज्ञ से जांच करवाएं।

सिगरेट की कश कहीं ले न ले आपकी जान, एक्सीडेंट और हार्ट अटैक से ज्यादा स्मोकिंग से मर रहे लोग

धूम्रपान वास्तव में बहुत हानिकारक है। यह बात ज्यादातर लोग जानते हैं। यहां तक ??कि धूम्रपान करने वाले भी मानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि यह कितना नुकसानदायक है। हर साल धूम्रपान से मरने वालों की संख्या शराब, मादक पदार्थों के सेवन, कार दुर्घटनाओं, आत्महत्याओं और हत्याओं से होने वाली कुल मौतों की संख्या से कहीं अधिक है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य संगठनों के अनुसार, इसके सेवन से हर साल लाखों लोगों की जान चली जाती है। इसके बावजूद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा और खैनी जैसी आदतें कई देशों में आम बनी हुई हैं।

सिगरेट क्यों है इतना खतरनाक-सिगरेट में निकोटिन और कई जहरीले रसायन होते हैं जो शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाते हैं। यह धीरे-धीरे शरीर को अंदर से कमजोर करता है और कई गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। सिगरेट के सेवन से फेफड़ों का कैंसर, मुंह का कैंसर, गले का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर होने का खतरा बहुत बढ़ जाता है। यह ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। सिगरेट से क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और सीओपीडी जैसी गंभीर सांस की बीमारियां हो सकती हैं, जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। मुंह में संक्रमण, दांतों का पीला पड़ना और मसूड़ों की बीमारी भी तंबाकू का बड़ा असर है।

पैसिव स्मोकिंग भी है खतरनाक - सिर्फ सिगरेट पीने वाला ही नहीं, बल्कि उसके आसपास रहने वाले लोग भी सेकेंड हैंड स्मोक के कारण प्रभावित होते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं पर इसका असर और भी गंभीर हो सकता है। सिगरेट छोड़ना आसान नहीं होता, लेकिन संभव जरूर है। इसके लिए काउंसलिंग और मेडिकल सहायता, निकोटिन रिप्लेसमेंट थेरेपी, परिवार और समाज का समर्थन बहुत मददगार हो सकता है।

'भूत बंगला' का तूफानी खेल

अक्षय कुमार के फैन्स लंबे वक्त से एक बड़ी हिट का इंतजार कर रहे थे. फाइनली वो ख्वाहिश पूरी हो गई है. जी हां, फिल्म ने जल्द ही दुनियाभर से 100 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था. साथ ही अब 150 करोड़ रुपये की तरफ बढ़ गई है. फिल्म का बिजनेस वीक डेज में बहुत अच्छा नहीं रहा है. पर अब जल्द ही दूसरे वीकेंड में एंट्री करेगी. उससे पहले मामला संभाल लिया है. जानिए बजट से कितने ज्यादा छापे? जस तैयारी के साथ अक्षय कुमार ने हॉरर कॉमेडी जॉनर में कदम रखा था, वहां उन्हें बड़ी सफलता हाथ लगी है. जी हां, उनकी 'भूत बंगला' ने 6 दिनों में ही पूरा बजट निकाल लिया है. जो कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस के हिसाब से जोड़ा जा रहा है. वैसे तो अक्षय कुमार के अलावा जिन दो एक्टर्स के बिना यह फिल्म अधूरी थी, वो हैं- राजपाल यादव और असरानी. दोनों की बेहतरीन कॉमेडी टाइमिंग ने अक्षय कुमार के किरदार को और निखार दिया है. खैर, फिल्म का वीक डेज में कलेक्शन कुछ खास नहीं रहा है. लेकिन अब वैसे भी दूसरे वीकेंड की शुरुआत होने वाली है. उससे पहले बिजनेस कम भी हुआ है, तो बढ़ा भी है. सबसे अच्छी बात है कि फिल्म ने बजट से कई करोड़ ज्यादा कमा लिए हैं।

मैं 17 वर्षों से काम कर रही हूं इसलिए मेरे लिए तुरंत स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना आसान है: मौनी रॉय

अभिनय करना कोई आसान काम नहीं है। किसी को स्क्रीन पर भावनाओं को व्यक्त करने और फिर अपने मूल स्वरूप में वापस आने की जरूरत है। इस बारे में बात करते हुए कि वह अपनी रील और वास्तविक दुनिया के बीच संतुलन कैसे बनाती हैं, अभिनेता मौनी रॉय ने कहा, ‘...मुझे लगा कि अगर मैं भूमिका को महसूस नहीं करूंगी, तो दर्शक चरित्र से जुड़ नहीं पाएंगे। एक्शन के बीच और कट, मुझे जो कुछ भी महसूस करने की आवश्यकता थी वह महसूस हुआ, लेकिन काम करने के बाद, मैं अपने आप में बदल जाऊंगा। मैं 17 वर्षों से काम कर रहा हूं इसलिए मेरे लिए तुरंत स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना आसान है। मैं नहीं लेता किरदार का वह भावनात्मक बोझ घर आ गया है’. मौनी शोटाइम सीरीज में यास्मीन अली की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जिसमें इमरान हाशमी, महिमा मकवाना और राजीव खंडेलवाल भी हैं। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, शोटाइम को ‘सिनेमा की दुनिया में विरासत और महत्वाकांक्षा की एक महाकाव्य गाथा’ कहा जाता है, जो दर्शकों को बॉलीवुड के करोड़ों डॉलर के उद्योग के पीछे की झलक दिखाएगी।, भाई-भतीजावाद और शीर्ष पर सत्ता संघर्ष। सीरीज के बारे में बात करते हुए इमरान ने पहले कहा था, जब आप इस शो के किरदारों को देखेंगे तो कहीं न कहीं आपको ऐसा लगेगा कि यह किसी वास्तविक जीवन के अभिनेता या निर्माता पर आधारित है या यह अभिनेताओं का एक मिश्रण है, अब आगे असल में यह किस पर आधारित है, यह डायरेक्टर से पूछना होगा। वे इस इंडस्ट्री में रहे हैं और इसे बहुत करीब से समझा है और एक तरह से इसे इस शो में रखा है। सीरीज 8 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग शुरू होगी।

मुझे नहीं लगता की प्रोड्यूसर बनने के लायक हूँ: इमरान

अभिनेता इमरान हाशमी, जो अपनी आगामी स्ट्रीमिंग श्रृंखला शोटाइम की तैयारी कर रहे हैं, को लगता है कि वह निर्माता बनने के लिए फिट नहीं हैं।अभिनेता ने साझा किया कि उन्होंने अपने करियर में अब तक केवल एक ही फिल्म का निर्माण किया है, लेकिन वहां भी वह एक मूक निर्माता की तरह थे क्योंकि वह उसमें अभिनय भी कर रहे थे। जिस फिल्म की बात हो रही है वह 2019 की फिल्म व्हाई चीट इंडिया है। अभिनेता ने कबूल किया कि वह वित्त से संबंधित व्यक्ति से यादा एक रचनात्मक व्यक्ति हैं।‘मुझे नहीं लगता कि मैं निर्माता बनने के लायक हूं। मैंने एक फिल्म का निर्माण किया था, लेकिन मैं एक मूक निर्माता था और उसमें अभिनेता की भूमिका भी निभा रहा था, इसलिए मेरे निर्माता ने खुद को पीछे छोड़ दिया। मैं व्यवसायिक विचारधारा वाले व्यक्ति की तुलना में अधिक रचनात्मक व्यक्ति हूं। मुझे वाणिज्य की डिग्री मिली, लेकिन मेरे परिवार में एक मजाक चल रहा है कि मैं कला में जाना चाहता था, लेकिन मैं वाणिज्य में चला गया और मैं अब भी हस्ताक्षर करते समय अपने चेक को ठीक से नहीं काटता। उन्होंने कहा, मेरे सिर पर हमेशा कोई न कोई यह देखने के लिए बैठा रहता है कि मैं सब कुछ सही ढंग से करता हूं या नहीं।तो मैं संख्याओं का व्यक्ति नहीं हूं, मैं वाणिज्य का व्यक्ति नहीं हूं।मैं रचनात्मक रूप से अधिक इच्छुक हूं। इसलिए अगर मैं किसी अन्य फिल्म का निर्माण करता हूं, तो यह हमेशा उन लोगों को काम सौंपना होगा जो इसके उस हिस्से को बेहतर जानते हैं, वित्त को बेहतर जानते हैं।इस बीच, शोटाइम में महिमा मकवाना के साथ मौनी रॉय, राजीव खंडेलवाल, श्रिया सरन, विशाल वशिष्ठ, नीरज माधव, विजय राज और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।सुमित रॉय द्वारा निर्मित और मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित, शोटाइम 8 मार्च से डिनी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगा।

सोशल मीडिया पर छाई जूही भट्ट

रणवीर अल्लाहबादिया संग रिश्ते की खबरों ने मचाई सनसनी

सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में इन दिनों एक नया नाम तेजी से सुर्खियां बटोर रहा है—जूही भट्ट। खास बात यह है कि उनका नाम मशहूर यूट्यूबर और पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया के साथ जोड़ा जा रहा है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इन खबरों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन फैंस के बीच इस रूमर्ड रिश्ते को लेकर काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है। ऐसे में हर कोई जानना चाहता है कि आखिर जूही भट्ट हैं कौन और उनका बैकग्राउंड क्या है।जूही भट्ट एक उभरती हुई अभिनेत्री और एक लोकप्रिय कंटेंट क्रिएटर हैं। भले ही उन्होंने अभी तक बड़े स्तर पर कोई ब्लॉकबस्टर प्रोजेक्ट नहीं किया हो, लेकिन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उनकी मौजूदगी लगातार मजबूत होती जा रही है। उनकी स्टाइल, कॉन्फिडेंस और कैमरे के सामने सहजता उन्हें खास बनाती है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, जूही ने मॉडलिंग और छोटे-छोटे एक्टिंग प्रोजेक्ट्स के जरिए अपने करियर की शुरुआत की थी। धीरे-धीरे उन्होंने अपने टैलेंट और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनानी शुरू की।जूही भट्ट और रणवीर अल्लाहबादिया के बीच लिंकअप की खबरें तब सामने आईं जब दोनों को कुछ मौकों पर एक साथ देखा गया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी कुछ ऐसे संकेत मिले, जिनसे फैंस ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि दोनों के बीच कुछ खास चल रहा है।हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि अभी तक यह सब महज अफवाहोंऔर चर्चाओं तक ही सीमित है। किसी भी पक्ष ने इन खबरों को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। फिर भी, दोनों के फॉलोअर्स इस संभावित रिश्ते को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।जूही भट्ट का करियर अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन उनकी पर्सनैलिटी उन्हें भीड़ से अलग बनाती है। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने फैशन सेंस व लाइफस्टाइल से जुड़ी झलकियां शेयर करती रहती हैं।

सोनाक्षी के प्रेग्नेंसी रुमर पर मां पूनम सिन्हा ने कहा- कितनी बार नानी बना दिया हमको, जरूर मिलेगी वो खुशी

सोनाक्षी सिन्हा की शादी को इस साल जून में 2 साल पूरे होने वाले हैं. फैंस लगातार उनकी प्रेग्नेंसी की अटकलें लगा रहे हैं. बीते साल के आखिरी में जबसे सोनाक्षी ने मुंबई के एक इवेंट में रेड आउटफिट पहना तो उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें तेज हो गई थीं. कई लोगों ने कयास लगाए कि वह अपने हाथ से बेबी बंप छुपाने की कोशिश कर रही हैं.

सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी अटकलें पिछले साल से ही लगाई जा रही हैं. जब भी सोनाक्षी पब्लिक इवेंट में दिखती हैं, तो उनकी एक खास तरह के पोज वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगती है और उनकी प्रेग्नेंसी की अटकले लगने लगती हैं. पिछले साल जब ऐसी अटकलें आईं तब सोनाक्षी और जहीर इकबाल दोनों ने इन अफवाहों पर हंसते हुए जवाब दिया और खारिज किया था. अब सोनाक्षी की मां पूनम सिन्हा ने भी इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी है.पूनम सिन्हा ने इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत के दौरान पूनम ने उस पल को याद किया जब उनकी बेटी सोनाक्षी उनके जीवन में आई थीं. उन्होंने कहा, वो पल तो सबसे अच्छा पल था हमारी लाइफ का जब हमारे घर में बेटियां आईं.पूनम सिन्हा ने कहा, मुझे लगता है जिंदगी बेटियों के बिना कुछ है ही नहीं. बेटियों का होना बहुत जरूरी है. सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर पूनम ने कहा, पता नहीं कितनी बार नानी बना दिया हमको. लेकिन चलो, वो खुशी भी हमको मिलेगी, जरूर मिलेगी वो खुशी.सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया और फिर अपने रिश्ते को ऑफिशियल करते हुए शादी कर ली. दोनों की पहली मुलाकात 2013 में सलमान खान की एक पार्टी में हुई थी. हालांकि, 2017 में %यूबलाइट% की आफ्टर पार्टी में दोनों के बीच खास कनेक्शन बना और घंटों तक बातचीत हुई. इस कपल ने 2024 में मुंबई स्थित सोनाक्षी के घर पर स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत सिविल मैरिज की. शादी में सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के लोग ही शामिल हुए. इसके बाद दोनों ने इंडस्ट्री के दोस्तों के लिए मुंबई में ग्रैंड रिसेप्शन भी दिया. पिछले साल जब सोनाक्षी की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ी थीं, तो उन्होंने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत तस्वीरें शेयर करते हुए एक मजेदार नोट लिखा था।

चेन्नई की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत, संजू ने रोहित की बराबरी की

सीएसके ने मुंबई को सबसे ज्यादा 19 बार हराया

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 103 रन से हराकर अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में संजू सैमसन ने पहली पारी की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर इस सीजन दूसरा शतक लगाया। उन्होंने टी-20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में रोहित शर्मा की बराबरी कर ली। मुकाबले के दौरान जेमी ओवरटन और तिलक वर्मा के बीच तीखी बहस भी देखने को मिली।

सीएसके ने सबसे बड़ी जीत दर्ज की

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रन से हरा दिया। यह दूनामेंट के इतिहास में टीम की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 2014 के सीजन में अबू धाबी में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ मिली 93 रन विक्ट्री उसकी सबसे बड़ी जीत थी।

मुंबई को सबसे बड़ी हार मिली

मुंबई को आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी हार मिली। इससे पहले 2013 में उसे जयपुर में राजस्थान के खिलाफ 87 रन की हार झेलनी पड़ी थी। वहीं 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद ने 85 रन से हराया था।

चेन्नई ने मुंबई को सबसे ज्यादा बार हराया

चेन्नई ने मुंबई को आईपीएल में 19वीं बार हराया। इसके साथ ही सीएसके मुंबई को सबसे ज्यादा मैच हराने वाली टीम बन गई है। उसने एमआई के खिलाफ कुल 40 में से 19 मुकाबले जीते हैं। इसके बाद पंजाब किंग्स है, जिन्होंने 35 मैचों में से 18 जीत हासिल की हैं। दिल्ली कैपिटल्स 38 मैचों में 17 जीत के साथ तीसरे नंबर पर है।

संजू ने 8वां टी-20 शतक लगाया

संजू सैमसन ने टी-20 क्रिकेट में 8वां शतक लगाया। सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय खिलाड़ियों में विराट कोहली और अभिषेक शर्मा सबसे आगे हैं। दोनों के नाम 9-9 शतक दर्ज हैं। इसके बाद रोहित शर्मा का नाम आता है, जिन्होंने टी-20 में अब तक 8 शतक लगाए हैं।

आईपीएल में संजू ने 5वां शतक लगाया

संजू आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 5वें नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने मुंबई के खिलाफ नाबाद 101 रन की पारी खेली। दूनामेंट में सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली के नाम पर है। उन्होंने आईपीएल में अब तक 8 शतक लगाए हैं। दूसरे नंबर पर जोस बटलर हैं, जिनके 7 शतक हैं।

सीएसके के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने की बराबरी की : चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पहला सीजन खेल रहे संजू सैमसन ने दो शतक लगा दिए हैं। चेन्नई के लिए अब तक चार खिलाड़ी 2 शतक लगा चुके हैं। संजू से पहले शेन वॉटसन, मुरली विजय, ऋतुराज गायकवाड भी दो-दो शतक लगा चुके हैं।

बुमराह की नो बॉल पर चौका : मैच के पहले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने 5वीं गेंद नो-बॉल डाली। फुल लेंथ की गेंद पर संजू सैमसन ने शानदार कवर ड्राइव खेलते हुए चौका जड़ दिया। अगली गेंद फ्री-हिट थी, लेकिन बुमराह ने सटीक यॉर्कर डाली और कोई रन नहीं बना।

सैंटनर ने कृणाल की तरह बाउंसर डाली : चेन्नई की पारी के 6वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कृणाल पंड्या की तरह बाउंसर गेंद डाली। ओवर की चौथी गेंद पर सैंटनर ने सरफराज खान को क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेजा। इसके बाद शिवम दुबे बैटिंग के लिए उतरे। सैंटनर ने उनको पहली गेंद ही 109.1 किमी प्रति घंटे की स्पीड से ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट गेंद डाली। शिवम चौंके, लेकिन आखिरकार पुल शॉट खेलकर गेंद को डीप मिड-विकेट की ओर भेजा और सिंगल ले लिया। इस गेंद के बाद डगआउट में बैठे रोहित शर्मा ने भी ताली बजाकर सैंटनर की सराहना की।

सैमसन ने चौका लगाकर शतक लगाया : संजू सैमसन ने पारी की आखिरी गेंद पर चौका लगाकर इस सीजन का दूसरा शतक लगाया। कृष भगत की आखिरी गेंद पर संजू ने पुल शॉट खेलते हुए डीप स्क्वायर लेग पर चौका लगाया। वह उस समय 97 रन पर खेल रहे थे। शतक पूरा करने के बाद उन्होंने हेलमेट उतारकर बल्ला हवा में लहराया।

सैंटनर ने शानदार लो कैच पकड़ा

चेन्नई की पारी के 17वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कार्तिक शर्मा का शानदार लो कैच पकड़ा। जसप्रीत बुमराह ने ओवर की 5वीं गेंद फुल टॉस डाली, कार्तिक शर्मा ने उसे डीप स्क्वायर लेग की तरफ खेला, जहां मौजूद सैंटनर ने आगे की ओर डाइव लगाते बेहतरीन लो कैच पकड़ लिया। हालांकि कैच लेते समय सैंटनर को कंधे में हल्की चोट भी लगी, जिसके बाद वह ग्राउंड से बाहर चले गए। कार्तिक 19 गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए।

अकील हुसैन ने विकेट मेडेन ओवर डाला

मुंबई की पारी के तीसरे ओवर में अकील हुसैन गेंदबाजी के लिए आए। उन्होंने नमन धीर को पहली दो गेंद डॉट डाली। अकील ने तीसरी गेंद 90 किमी/घंटा के रफ्तार डाली। नमन धीर ने उसे लॉन्ग-ऑन के ऊपर खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले को चकमा देते हुए मिडिल स्टंप पर जा लगी। इसके बाद बैटिंग करने आए तिलक वर्मा आखिरी तीन गेंद पर कोई रन नहीं बना सके और अकील का ओवर मेडेन गया।

हुसैन का अजब-गजब सेलिब्रेशन

दूसरी इनिंग के पहले ओवर में विकेट लेने के बाद स्पिनर अकील हुसैन ने अजब-गजब सेलिब्रेशन किया। ओवर की आखिरी गेंद अकील ने प्लाइटेड डिलीवरी डाली, जिस पर बल्लेबाज दानिश मलेवर आगे बढ़कर डिफेंस करने गए। गेंद हल्का सा बाहर की ओर घूमी और बल्ले के बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर संजू सैमसन के दस्तानों में चली गई। इस विकेट के बाद अकील ने अपना एक हाथ चेहरे पर रखकर मास्क जैसा सेलिब्रेशन किया। पारी के तीसरे ओवर में नमन धीर को आउट करने के बाद भी उन्होंने ठीक इसी अंदाज में जश्न मनाया।

तिलक और ओवरटन के बीच बहस

मुंबई इंडियंस की पारी के 10वें ओवर के बाद तिलक वर्मा और जेमी ओवरटन आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव भी इसमें शामिल हो गए। हालांकि अंपायर्स ने तुरंत बीच-बचाव करते हुए ओवरटन को वहां से दूर भेज दिया। इसके बाद आगे का खेल शुरू हुआ।

गुजरात ने बेंगलुरु को 206 रन का टारगेट दिया

साई सुदर्शन ने तीसरा आईपीएल शतक लगाया...हेजलवुड, सुयश और भुवनेश्वर को एक-एक विकेट

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने साई सुदर्शन के शतक की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 206 रन का टारगेट दिया। सीजन के 34वें मुकाबले में बेंगलुरु ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। शुक्रवार को गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 205 रन बनाए। सुदर्शन ने 100 रन की पारी खेली, जो उनका आईपीएल में तीसरा शतक रहा। उनके अलावा कप्तान शुभमन गिल ने 32 रन बनाए। जेसन होल्डर 10 बॉल पर 21 रन बनाकर नाबाद लौटे। बेंगलुरु की ओर से जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा और भुवनेश्वर कुमार को एक-एक विकेट मिला। क्रुणाल पंड्या के आखिरी ओवर में 18 रन आए और गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 205/3 का स्कोर बनाया। इस ओवर में जेसन होल्डर ने दो छक्के और एक चौका लगाया। पहली ही गेंद पर उन्होंने सिक्स लगाया, फिर तीसरी गेंद पर डीप मिडविकेट के ऊपर एक और

सिक्स लगा दिया। चौथी गेंद पर फुल टॉस को लॉन्ग ऑफ के पास से चौके में बदला। आखिरी गेंद पर वॉशिंगटन सुंदर एक रन ही बना सके। साई सुदर्शन के शतक के दम पर गुजरात 12 ओवर में बिना विकेट 121 रन तक पहुंच गया था, लेकिन बाद के ओवरों में रन गति थोड़ी धीमी पड़ी और टीम 205 तक ही पहुंच सकी। 19वें ओवर से 8 रन आए। वॉशिंगटन सुंदर और जेसन होल्डर ने मिलकर सिंगल-डबल के जरिए स्कोर आगे बढ़ाया। ओवर की आखिरी गेंद पर सुंदर को दो रन मिले। इससे पहले होल्डर को भी एक फुल टॉस पर कवर में मिसफील्ड का फायदा मिला। 18वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार ने जोस बटलर को आउट कर गुजरात को एक और झटका दिया। बटलर 25 रन बनाकर पवेलियन लौटे। लो फुल टॉस गेंद पर उन्होंने शॉट खेला, लेकिन गेंद सीधा जोश हेजलवुड के हाथों में चली गई। हेजलवुड के ओवर में 15 रन आए और एक बड़ा विकेट भी गिरा। 16वें ओवर में साई सुदर्शन 100 रन बनाकर आउट हो गए। हेजलवुड ने उन्हें बैक ऑफ लेंथ गेंद पर जल्दबाजी में शॉट खेलने पर मजबूर किया, गेंद सीधे उन्हीं के हाथों में चली गई। उन्होंने एक छक्का और चौका जड़ने हुए तेजी से रन बटोरे, जबकि जोस बटलर ने भी एक चौका लगाकर स्कोर आगे बढ़ाया।

सुदर्शन का 57 गेंदों में शतक : साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों में सेंचुरी जमाई। 15वें ओवर में सुयश शर्मा के खिलाफ तेजी से रन आए। जोस बटलर ने एक छक्का और चौका लगाया। सुदर्शन ने सिंगल लेकर अपना शतक पूरा किया। साई सुदर्शन और गिल ने पहले विकेट के लिए 128 रन जोड़े। गुजरात टाइटंस के लिए यह आरसीबी के खिलाफ किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी रही। 13वें ओवर में सुयश शर्मा ने गुजरात को बड़ा झटका देते हुए शुभमन गिल को आउट कर दिया। गिल 32 रन बनाकर पवेलियन लौटे। शॉर्ट लेंथ गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में वह टाइमिंग नहीं कर सके और गेंद लॉन्ग ऑन पर खड़े देवदत्त पडिक्कल के हाथों में चली गई।

अभय सिंह पहली बार पीसीए गोल्ड-लेवल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ज्यूरिख। भारत के अभय सिंह ने मिस्र के दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी एली अबू एलीनेन को हराकर ग्रासहॉपर कप स्क्वैश में अपने पहले पीएसए गोल्ड-लेवल इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दुनिया के 24 नंबर के खिलाड़ी पहले गेम में 8-5 से पीछे थे, लेकिन फिर उन्होंने स्कोर 8-8 कर दिया और एलीनेन की दोनों गेम बॉल बचाकर ट्राईब्रेक में गोल कर दिया। अभय सिंह को दूसरे गेम में एलीनेन की वापसी का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने बराबरी कर ली। सिंह के बैकहैंड की ताकत ने उन्हें 12-10, 11-9 से जीत दिलाई। बता दें कि सिंह ने इस महीने की शुरुआत में एल गौना इंटरनेशनल में एलीनेन को 3-2 से हराया था। अब उनका मुकाबला मिस्र के दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी करीम गवाद से होगा, जो सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए खेलेंगे। पीएसए टूर के मुताबिक, जीत के बाद सिंह ने कहा, 'क्या मैच था, दोनों गेम के आखिर में मुझे पहले

गेम में पीछे रहने के बाद वापसी करने के लिए सच में बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे लगता है कि ऐसी ही स्थिति में यह डीजा वू जैसा था। एल गौना में मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ था। इसका श्रेय जिम्बो (जेम्स विलस्ट्रॉप) को जाता है, उन्होंने एक अच्छा प्लान बनाया, क्योंकि मैं पहले गेम में पीछे रहने वाला था।' शुरुआती राउंड में, सिंह ने स्विस डेविड बर्नेट को 11-9, 9-11, 11-8 से हराया, जबकि उनके हमवतन रामित टंडन मिस्र के फारेस डेसौकी से 6-11, 9-11 से हार गए। इस बीच, इकर पजारेस नंबर 6 सीड यूसुफ सोलिमन को हराकर पहली बार गोल्ड-लेवल इवेंट के क्वार्टर-फाइनल में पहुंच गए हैं। पजारेस, जो पहले भी प्लैटिनम इवेंट्स के आखिरी आठ में पहुंच चुके हैं, ने एक और शानदार प्रदर्शन करते हुए सोलिमन को सीधे गेम में हराया, इससे पहले उन्होंने पहले राउंड में स्विस नंबर 1 दिमित्री स्टीनमैन को हराया था। 14 बार के स्विस नेशनल चैंपियन निकोलस म्यूलर के जोएल माकिन से हारने के बाद घरेलू उम्मीदें टूट गईं।

मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही है : आकाश चोपड़ा

मुंबई। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस (एमआई) के निराशाजनक प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। गुरुवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ एमआई को 103 रन के बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आईपीएल में रनों के लिहाज से एमआई की ये सबसे बड़ी हार है। पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि मुंबई इंडियंस को रोहित शर्मा की कमी खल रही है। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर जियोस्टार एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मुंबई को रोहित शर्मा की कमी जरूर खली है। अच्छी शुरुआत के बिना, 210-220 के लक्ष्य का पीछा करना बहुत मुश्किल हो जाता है। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने अब तक ज्यादा योगदान नहीं दिया है। तिलक वर्मा ने पिछले मैच में जरूर शतक लगाया था, लेकिन बाकी बल्लेबाजों को बेहतर करने की जरूरत है। गेंदबाजी में भी जसप्रीत बुमराह और गजनफर अच्छा कर रहे हैं। उन्हें बाकी लोगों से बेहतर सपोर्ट की जरूरत है।' रोहित शर्मा ने आईपीएल 2026 की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की थी और केकेआर के खिलाफ पहले मैच में 38 गेंदों पर 78 रन बनाए थे। सीजन के चौथे मैच में रोहित इंजर्ड हो गए थे। इसके बाद से प्लेइंग इलेवन से बाहर चल रहे हैं। रोहित पिछले तीन मैच नहीं खेले हैं। रोहित के टीम में न होने से निश्चित रूप से न सिर्फ ओपनिंग प्रभावित हो रही है, बल्कि उनका अनुभव भी कप्तान हार्दिक पांड्या को नहीं मिल पा रहा है। मुंबई इंडियंस ने सीजन की शुरुआत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ की थी, लेकिन इसके बाद टीम को लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ तिलक वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत एमआई जीत की राह पर लौटी थी, लेकिन सीजन के सातवें मैच में एक बार फिर सीएसके ने उसके जीत के क्रम को रोक दिया। सीएसके ने एमआई को 103 रन से हराया। रनों के लिहाज से एमआई की यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार है। इस हार के बाद आईपीएल 2026 में प्लेऑफ का सफर टीम के लिए मुश्किल हो गया है।

आईपीएल 2026 : बेन डकेट की जगह रेहान अहमद हुए दिल्ली कैपिटल्स में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने आईपीएल 2026 के बचे हुए मुकाबलों के लिए बेन डकेट की जगह पर इंग्लैंड के खिलाड़ी रेहान अहमद को टीम में शामिल किया है। रेहान को डीसी ने 75 लाख रुपये में टीम से जोड़ा है। उल्लेखनीय है कि आईपीएल 2026 के आगाज से कुछ दिन पहले डकेट ने एशेज सीरीज में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद करियर पर ध्यान देने के लिए आईपीएल से अपना नाम वापस ले लिया था। हालांकि, दिल्ली कैपिटल्स ने उस समय उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर किसी भी खिलाड़ी को टीम में शामिल नहीं किया था। 21 वर्षीय रेहान अहमद स्पिन गेंदबाजी के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान देने के लिए जाने जाते हैं। रेहान इंग्लैंड की ओर से अब तक 13 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 9.50 की इकोनॉमी से 15 विकेट निकाले हैं। वहीं, बल्लेबाजी में उन्होंने 142 के स्ट्राइक रेट से 74 रन बनाए हैं। वहीं, वह

इंग्लैंड की तरफ से 9 वनडे और 5 टेस्ट मैच भी खेल चुके हैं। 50 ओवर के फॉर्मेट में रेहान ने 12 और टेस्ट में 22 विकेट चटकाए हैं। अक्षर पटेल की अगुवाई में दिल्ली कैपिटल्स का प्रदर्शन आईपीएल 2026 में मिलाजुला रहा है। टीम ने इस सीजन अब तक कुल 6 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से डीसी को तीन में जीत मिली है, जबकि इतने ही मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 47 रनों से हार का सामना करना पड़ा था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 2 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 242 रन लगाए थे, जिसके जवाब में डीसी 9 विकेट गंवाने के बाद 195 रन ही बना सकी थी। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी, मुकेश कुमार और टी नटराजन काफी महंगे साबित हुए थे। वहीं, बल्लेबाजी में केएल राहुल और समीर रिजवी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे। राहुल 23 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए थे, जबकि समीर रिजवी अंत तक क्रीज पर रहने के बावजूद 28 गेंदों में 41 रन ही बना सके थे। पथुम निसांका, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और आशुतोष शर्मा बल्ले से फेल रहे थे।

गायकवाड ने मुंबई के खिलाफ जीत मुकेश को समर्पित की

मां के निधन के बावजूद मैदान पर उतरे थे गेंदबाज, टीम ने भी काली पट्टी बांधी

नई दिल्ली। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की 103 रनों की शानदार जीत एक भावुक मोड़ पर खत्म हुई। जीत के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने इस प्रदर्शन को अपने साथी खिलाड़ी मुकेश चौधरी को समर्पित किया। मुकेश हाल ही में अपनी मां को खोने के बावजूद टीम के लिए खेलने मैदान पर उतरे थे। मुकेश चौधरी के प्रति सम्मान और एकजुटता दिखाने के लिए चेन्नई के सभी खिलाड़ियों ने हाथ पर काली पट्टी बांधी थी। पारिवारिक दुख के बीच मुकेश ने न केवल वापसी की, बल्कि मैदान पर शानदार जज्बा भी दिखाया।

उन्होंने अपने स्पैल (1/31) के दौरान मुंबई के ओपनर क्विंटन डी कॉक को जल्दी आउट कर मैच की दिशा तय कर दी। मैच के बाद गायकवाड काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा, मुकेश जानते थे कि टीम को उनकी जरूरत है, इसलिए वे फ्रेंचाइजी और टीम के लिए वापस आए।

शुरुआती विकेट गंवाना बना हार का कारण : हार्दिक पांड्या

मुम्बई। मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली हार पर निराशा जताई है। मुम्बई की ये लगातार पांचवीं हार है। इसके लिए पांड्या ने टीम की खराब बल्लेबाजी पर निराशा जताई है।

उनका कहना है कि पावरप्ले में ही शुरुआती विकेट गिरने से मुम्बई को नुकसान हुआ। सीएसके की जीत में संजू सैमसन के शतक के साथ ही स्पिनर अकील हुसैन की घातक गेंदबाजी की भी अहम भूमिका रही है। सीएसके के हाथों मुम्बई को 103 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। इस जीत से जहां सीएसके छह अंक लेकर तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, वहीं मुंबई इंडियंस चार अंकों के साथ आठवें स्थान पर फिसल गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने सैमसन के नाबाद 101 रनों की पारी से 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बना दिये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस केवल 104 रन ही बना पायी। यह मुंबई इंडियंस की आईपीएल इतिहास में रनों के मामले में इतनी बड़ी हार है।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से एक मई के मैच में खेल सकते हैं स्टार्क

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब अपनी चोट से उबर गये हैं और सब कुछ ठीक रहा तो एक मई को होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से उतरेंगे। स्टार्क को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने आईपीएल में खेलने की अनुमति मिल गयी है। स्टार्क की वापसी से दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी बेहतर होगी। टीम का इस सत्र में मिला-जुला प्रदर्शन रहा है। ऐसे में उसके लिए स्टार्क का आना लाभदायक रहेगा। स्टार्क को बिग बैश लीग के दौरान कंधे और कोहनी में चोट लगी थी, जिसने उन्हें लंबे समय तक खेल से दूर रखा। हालांकि, अब वह पूरी तरह से फिट हो चुके हैं और सिडनी में कड़ी ट्रेनिंग के जरिए अपने वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं। उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब मेडिकल टीम ने उन्हें हरी झंडी दे दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मिचेल

स्टार्क 25 अप्रैल तक दिल्ली पहुंचें सकते हैं। इसके बाद वह भारतीय हालातों के अनुरूप अपने को ढालने और टीम के साथ तालमेल बिठाने में कुछ समय लेंगे। ऐसे में वह 1 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। यह मुकाबला टीम के लिए बेहद अहम होगा और स्टार्क की मौजूदगी निश्चित रूप से विरोधियों पर दबाव डालेगी। वह 25 अप्रैल को पंजाब किंग्स और 27 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी वापसी के बाद टीम प्रबंधन को एक विदेशी खिलाड़ी को बाहर करना पड़ेगा। संभावना है कि टीम ओपनर पथुम निसांका को बाहर होना पड़े। जिससे ताकि स्टार्क को अंतिम एकादश में जगह मिल सके। हालांकि, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और लुंगी एनगिडी में से किसी को बाहर किये जाने की संभावना नहीं है। पिछले सीजन में मिचेल स्टार्क ने 11 मैचों में 14 विकेट हासिल किए थे, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उनका 5 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल था। हालांकि, उस सीजन में उनका इकॉनमी रेट 10 से ज्यादा रहा था, जो कि टी20 प्रारूप में थोड़ा चिंताजनक माना जाता है।

जनगणना पोर्टल में 'छत्तीसगढ़ी भाषा' को शामिल करने के लिए जोहार पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

मातृभाषा कॉलम में छत्तीसगढ़ भाषा के विकल्प में शामिल करने की मांग

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी और छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान के तहत रायपुर, रायगढ़, महासमुंद, बेमेतरा, मुंगेली , बलौदाबाजार, धमतरी और कोरबा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में जिला कलेक्टर के माध्यम से केंद्र सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख मांग है कि भारत सरकार द्वारा आगामी स्व-जनगणना पोर्टल (2026-27) एवं घर घर जाकर भरवाए जाने वाले जनगणना फार्म के 'मातृभाषा' कॉलम में 'छत्तीसगढ़ी भाषा' के विकल्प को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए।

छत्तीसगढ़ी अस्मिता - सम्मान की लड़ाई

संगठन के पदाधिकारियों ने जोर देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों को मिलाकर लगभग 3.5 करोड़ लोग अपनी रोजमर्रा की बातचीत में छत्तीसगढ़ी भाषा का प्रयोग करते हैं। वर्ष 2007 में छत्तीसगढ़ी भाषा को विधिवत 'राजभाषा' का दर्जा मिल चुका है। इसके बावजूद, केंद्रीय कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी भाषा की उपेक्षा प्रदेशवासियों की भावनाओं और उनकी भाषाई पहचान का अपमान है।

सही आंकड़ों का अभाव

प्रतिनिधिमंडल ने चिंता व्यक्त की है कि यदि पोर्टल में छत्तीसगढ़ी का स्पष्ट विकल्प नहीं दिया गया, तो मातृभाषा के आधार पर होने वाली गणना में कभी भी सही आंकड़े सामने नहीं आ पाएंगे। इससे न केवल भाषा का महत्व कम होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं में भी छत्तीसगढ़ी भाषियों की उपेक्षा होगी।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

ज्ञापन सौंपने के दौरान छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान का विषय है।

यदि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ी भाषा की इस जायज मांग को पूरा नहीं करती है, तो आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति:

इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिला संयोजक, अध्यक्ष , उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में महतारी भाखा प्रेमी उपस्थित रहे।

रातापायली रेत खदान में बवाल : ट्रैक्टर चालक घायल, अवैध उत्खनन पर फिर उठे सवाल

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगांव

क्षेत्र के रातापायली रेत खदान में अवैध उत्खनन को लेकर एक बार फिर हालात गरमा गए हैं। बीती रात रेत लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर चालक के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई है, जिसमें चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद प्रशासन की कार्रवाई और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी दोनों ही सवालों के घेरे में हैं।

मिली जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल की रात खदान में बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों के जरिए रेत निकासी की जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर खनिज विभाग और राजस्व की संयुक्त टीम मौके के लिए रवाना हुई। इसी दौरान चुनेश (25) नामक युवक ट्रैक्टर में रेत भरकर तेज रफ्तार से निकलने का प्रयास कर रहा था।

टीम द्वारा रोकने की कोशिश के बावजूद चालक ट्रैक्टर लेकर भागता रहा, जिससे रास्ते में दुर्घटना की स्थिति बन गई। आगे बस्ती में शादी समारोह होने के कारण वह ज्यादा दूर नहीं जा सका और ट्रैक्टर छोड़कर भागने लगा। इसी दौरान गिरने और पकड़ने की अफरा-तफरी में उसके सिर पर गंभीर चोट लगी, जिसके बाद उसे तत्काल डोंगरगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसके सिर में 7-8 टांके लगाए हैं।

घटना के बाद ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं शुक्रवार को घायल चालक अपने परिजनों के साथ शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा, जिससे मामला और तूल पकड़ गया।

खनिज विभाग के कर्मचारी गोपी साहू का कहना है कि टीम द्वारा किसी प्रकार की मारपीट नहीं की गई है। उनके मुताबिक चालक तेज रफ्तार में भागते समय गिरा, जिससे उसे चोट लगी। वहीं तहसीलदार कमल किशोर साहू ने भी बताया कि मौके पर पहुंचने पर चालक घायल अवस्था में मिला, जिसका उपचार कराया गया है। उन्होंने कहा कि यदि मारपीट हुई है तो वह गलत है, लेकिन फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

मोतीपुर नदी घाट में अवैध रेत उत्खनन पर की गई बड़ी कार्रवाई

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज कुमरदा तहसील अंतर्गत ग्राम मोतीपुर नदी घाट में राजस्व विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रेत उत्खनन के लिए बनाए गए रैम्प को तोड़ दिया। साथ ही घाट तक पहुंचने वाले मार्ग को काटकर पूरी तरह अवरुद्ध कर दिया गया, ताकि भविष्य में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।इससे पहले टीम द्वारा मोतीपुर नदी घाट से अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे दो माजदा वाहनों को रेत सहित जप्त किया गया। दोनों वाहनों को थाना डोंगरगांव के सुपुर्द कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार विजय कोठारी सहित राजस्व विभाग की टीम मौके पर उपस्थित रही।

रेत माफिया पर फिर सवाल

घटना ने एक बार फिर रातापायली खदान में लंबे समय से जारी अवैध रेत उत्खनन की ओर ध्यान खींचा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां बिना रॉयल्टी के बड़े पैमाने पर रेत का परिवहन हो रहा है। गांव और आसपास के इलाकों में रेत के डंप खुलेआम देखे जा सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब यह गतिविधियां लंबे समय से जारी हैं, तो जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदारों को इसकी जानकारी क्यों नहीं है ? या फिर उनकी चुप्पी किसी ह्यमौन सहमतिह्न की ओर इशारा कर रही है ? सूत्रों के अनुसार रेत माफिया दिन-रात जेसीबी और लोडर के जरिए उत्खनन में लगे हैं और खुलेआम दावा करते हैं कि उनकी ह्यऊपर तक सेटिंगह्न है, इसलिए उन पर कोई कारवाई नहीं होती।

जनप्रतिनिधियों का पक्ष

सरपंच उषा साहू ने कहा कि उन्हें रेत निकासी की जानकारी नहीं थी, हालांकि शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित किया जाता है। फिलहाल मामला जांच के दायरे में है, लेकिन यह घटना साफ संकेत दे रही है कि क्षेत्र में रेत माफिया का नेटवर्क सक्रिय है और उस पर प्रभावी नियंत्रण अब भी चुनौती बना हुआ है।

दिव्यांशु देवांगन व शाम्भवी क्षीरसागर ने विश्वकप शूटिंग स्पर्धा में जीता गोल्ड मेडल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन (ISSF) के द्वारा कायरो, इजिप्ट (मिश्र) में आयोजित विश्व कप 2026 में दिव्यांशु देवांगन ने अपने सहयोगी शाम्भवी क्षीरसागर के साथ भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही उनके नाम नया विश्व रिकॉर्ड बनाने का गौरव भी जुड़ गया है।

उन्होंने विश्व कप स्पर्धा में 10 मीटर एयर राइफल मिक्सड टीम जूनियर युगल में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने का गौरव हासिल कर इतिहास रचा है। दिव्यांशु देवांगन और शाम्भवी क्षीरसागर की जोड़ी ने पूरे मैच के दौरान निरंतरता बनाए रखी। उन्होंने कड़ी स्पर्धा में चरण-दर-चरण अपना स्कोर बढ़ाया और अंतिम शॉट्स के दौरान भी अपनी बढ़त कायम रखी और गोल्ड मेडल जीतकर विश्व रिकॉर्ड भी बनाया।

इस शानदार उपलब्धि से पूरे देश, छत्तीसगढ़ एवं समग्र देवांगन समाज में हर्ष व्याप्त है और उन्हें बधाइयां देने का सिलसिला जारी है। छत्तीसगढ़ सर्व समाज संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं देवांगन समाज के वरिष्ठ घनश्याम कुमार देवांगन ने इसे बड़ी जीत बताते हुए भारत के लिए गौरवशाली उपलब्धि बताया है। दिव्यांशु देवांगन रायगढ़ निवासी शैलेंद्र देवांगन और यामिनी देवांगन के सुपुत्र हैं। उन्होंने उनके गौरवशाली माता पिता, परिजन, उनके कोच एवं पूरे भारतीय टीम को भी इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाइयां दी है।

आयुक्त ने एसएलआरएम सेंटरों का किया निरीक्षण, कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

कचरा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था से शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शहर के विभिन्न एसएलआरएम सेंटरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आयुक्त पांडेय ने स्पष्ट रूप से कहा कि जिन एसएलआरएम सेंटरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि शहर से निकलने वाले कचरे का समय पर और व्यवस्थित निपटान सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि कचरा प्रबंधन की सुदृढ़ व्यवस्था से शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार आएगा और नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने निगम मुख्य कार्यालय परिसर में स्थित बायोगैस प्लांट की नस्ती ;दस्तावेजद्ध का भी अवलोकन निर्देशित किये है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बायोगैस प्लांट को पुनः प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, ताकि जैविक कचरे का बेहतर उपयोग किया जा सके और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिले। मुख्य कार्यालय स्थित सुलभ शौचालय का अवलोकन कर आवश्यक संधारण कार्य कराने कहा गया है, जिससे आने वाले नागरिको को किसी प्रकार की असुविधा न हो। आयुक्त के इस निरीक्षण से एसएलआरएम सेंटरों की सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, नितेश मेश्राम, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उप अभियंता बसंत साहू, दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर सहानी, अंकित सक्सेना, अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

महत्वपूर्ण सूचना! हमारे पाठकों के लिए

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु का E-Paper भी तैयार है। प्रतिदिन शाम 4:00 बजे पेपर नई दृष्टिबिंदु के गुगल के साइट Nayi Drishtibindu पर अपलोड हो जाता है। सभी पाठकों से आग्रह है कि प्रतिदिन शाम 4:00 बजे साइट पर Nayi Drishti bindu E-Paper सर्च कर ई पेपर देख सकते हैं।

Google
NAYI DRISHTIBINDU E-PAPER
शाम 4 बजे से पढ़े

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100